श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 290, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 16 नवंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

कोरोना और इसके बाद यूक्रेन संकट ने दुनिया में तबाही मचाईः मोदी

'यूक्रेन-रूस जंग रोकने को रोकना होगा'

बालीः समिट के फर्स्ट सेशन में जी-20 नेताओं के बीच फूड एंड एनर्जी सिक्योरिटी पर चर्चा हुई। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा- कोरोना और इसके बाद यूक्रेन संकट ने दुनिया में तबाही मचाई है। वठ भी इन मुद्दों पर कुछ नहीं कर पाया। हमें यूक्रेन-रूस जंग को रोकने का रास्ता खोजना होगा। इसकी वजह से ग्लोबल सप्लाई चेन पर बुरा असर पड़ा है।

मोदी से खुद मिलने पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेनः समिट के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन खुद मोदी से मिलने पहुंचे। दरअसल, मोदी बाइडेन को देख नहीं पाए थे। वो दूसरी तरफ जा रहे थे। इसी दौरान बाइडेन ने उन्हें पुकारा और फिर दोनों ठहाके लगाते नजर आए। कुछ मिनट बाद प्रधानमंत्री ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को बुलाया और उनसे भी बातचीत की।

हिंदी बोलने वाला अमेरिकी प्रवक्ताः अमेरिकी विदेश विभाग में हिंदी बोलने वाले प्रवक्ता जेड तरार चर्चा में रहे। तरार पाकिस्तानी मूल के हैं, लेकिन हिंदी के कठिन शब्दों पर भी उनकी अच्छी पकड़ है। वो अकसर टीवी चैनल्स पर भी नजर आते हैं। ज्ञ20 के दौरान स्टेट डिपार्टमेंट ने उन्हें अहम जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कुछ भारतीय टीवी चैनल्स को इंटरव्यू भी दिए। डीडी न्यूज से बातचीत में तरार ने कहा- भारत और अमेरिका के रास्ते अब अलग नहीं हो सकते। हमारी खूबसूरती और ताकत लोकतंत्र है और दुनिया को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

जी20 के मेनिफेस्टो में मोदी की बातः दो महीने पहले समरकंद में शंघाई कोऑपरेशन समिट हुई थी। इस दौरान मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से कहा था- यह दौर जंग का नहीं, बातचीत का है। तब मोदी की इस बात को वेस्टर्न मीडिया ने जोर-शोर से उठाया था। अब जी-20 के कम्युनिक्यू या कहें मेनिफेस्टो में इसी लाइन को जगह दी गई है।

जी-20 में मोदीः सुनक से हुई पहली मुलाकात

बालीः इंडोनेशिया के बाली में जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे हैं। इस दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से उनकी पहली मुलाकात हुई।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन खुद चलकर भारतीय प्रधानमंत्री से मिलने उनके पास पहुंचे। दो दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन मंगलवार को शुरू हो गया। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और भारत के प्रधानमंत्री मोदी समेत दुनिया की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के नेता शामिल हो रहे हैं। इस दौरान मोदी और सुनक के बीच पहली मुलाकात हुई। भारत के प्रधानमंत्री और भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री के बीच इस मुलाकात को लेकर दोनों देशों में खासी उत्कंठा थी। भारतीय प्रौद्योगिकी उद्यमी नारायणमूर्ति के दामाद ऋषि सुनक हाल ही में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने हैं। मोदी और सुनक के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। इस दौरान सुनक ने कहा कि दुनिया के विकास के लिए भारत जरूरी है।

वहीं मोदी ने कहा कि भारत अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करता रहेगा। जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का जलवा साफ दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन खुद चल कर मोदी से मिलने उनके पास पहुंचे। दोनों नेताओं ने एक दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया। मोदी व बाइडन को काफी देर तक एक दूसरे से बात करते देखा गया।

'भारत की ऊर्जा सुरक्षा महत्वपूर्ण'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक विकास के लिए भारत की ऊर्जा सुरक्षा महत्वपूर्ण है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है। ऊर्जा की आपूर्ति पर किसी भी प्रतिबंध को बढ़ावा नहीं देना चाहिए और ऊर्जा बाजार में स्थिरता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि 2030 तक हमारी आधी बिजली अक्षय स्रोतों से पैदा होगी। भारत में स्थायी खाद्य सुरक्षा के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। बाजरा जैसे पौष्टिक और पारंपरिक खाद्यान्नों को फिर से लोकप्रिय बनाने की शुरूआत हुई है। बाजरा वैश्विक कुपोषण और भूख को भी दूर कर सकता है।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने मोदी के होटल जाकर उनका स्वागत किया। इंडोनेशिया इस समय जी-20 समूह का अध्यक्ष है और अब भारत के हाथ में अध्यक्षता की कमान आने वाली है।

800 करोड़: अमीरों और गरीबों के बीच की खाई को पाटने की है जरूरत : यूएन

नई दिल्लीः जहां एक ओर लोग बढ़ती जनसंख्या को समस्याओं का कारण मानते हैं वहीं संयुक्त राष्ट्र (यूएन) इसे समस्या नहीं मानता है। बल्कि यूएन का तर्क है कि सभी लोगों तक मूलभूत संसाधनों की पहुंच होनी चाहिए। जिससे एक बेहतर संसार का निर्माण हो सके और सभी प्रसन्नता से जीवन यापन कर सकें। 15 नवंबर 2022 को वैश्विक जनसंख्या आठ बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कहना है कि आठ बिलियन के इस संसार में

हमें मिलकर अमीरों और गरीबों के बीच की खाई को पाटने की जरूरत है। जिससे संसार में सभी सुख पूर्वक जीवन यापन कर सकें। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) भारत और भूटान की निदेशक, एंड्रिया वोज्नार का कहना है कि दुनिया के सभी देशों को मिलकर एक ऐसे विश्व का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए ।

एमपीः राष्ट्रपति ने लागू किया पेसा एक्ट

शहडोलः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को दोपहर में शहडोल में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में नियमावली का विमोचन कर पेसा एक्ट लागू किया। इस मौके पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके साथ ही मध्य प्रदेश पेसा एक्ट लागू करने वाला देश का 7वां राज्य बन गया है। इससे पहले छह राज्य पेसा एक्ट अपने यहां लागू कर चुके हैं। इनमें हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, गुजरात व महाराष्ट्र शामिल है।

....अब तक नहीं मिला श्रद्धा का सिर

श्रद्धा के शव के 10 टुकड़े मिलेः आफताब हत्या के बाद फ्लैट में दूसरी लड़की लाया था, पुलिस को शक- वही हत्या की वजह

नई दिल्लीः प्रेमिका श्रद्धा की हत्या को अंजाम देने और उसकी लाश के टुकड़े कर ठिकाने लगाने वाले आफताब आमिन पूनावाला को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस गिरफ्तार आफताब से पूछताछ कर रही है। वह बार-बार बयान बदलने की कोशिश भी कर रहा है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को अब तक श्रद्धा का सिर नहीं मिला है। इसकी तलाश जारी है। पुलिस आफताब को लेकर महरौली के जंगल में जा रही है और उसका पता लगाने की कोशिश करेगी। सुबह पुलिस ने आफताब को लेकर जंगल आई है। वहीं

पूछताछ में आरोपित ने पुलिस को बताया है कि लिव इन में रह रही प्रेमिका की हत्या करने के बाद उसने उसके शरीर के 35 टुकड़े किए। खून साफ करने के लिए गूगल का सहारा लिया। साथ ही गूगल पर यह जानना चाहा कि इंसानी शरीर की अंदर से बनावट कैसी होती है। अधिकारियों का कहना है कि आफताब अभी और हैरान करने वाले खुलासे करेगा। पुलिस अलग-अलग टीमें बनाकर दिल्ली के महरौली इलाके में भेजी जा रही है, क्योंकि आफताब के मुताबिक, उसने श्रद्धा के शरीर के 35 टुकड़े किए, लेकिन कुछ टुकड़े अब तक बरामद नहीं हुए हैं। अभी तक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित जोमैटो से खाना मंगवाता था और अगरबत्ती का सेट लगाकर रखता था ताकि बाहर शव की बदबू नहीं जाए। आरोपित आफताब ने श्रद्धा की हत्या के 20-25 दिन बाद एक अन्य लड़की से डेटिंग ऐप के जरिए मुलाकात भी की थी।

जापान से आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग लिया जाएः धामी

देहरादूनः मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन एवं भूकम्परोधी तकनीक क्षेत्र और स्थानीय उत्पादों की वैल्यू एडिशन मार्केटिंग के लिए जापान से सहयोग लेने के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में पार्टनरशिप बढ़ाने पर जोर दिया। मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फिक्की फोरम ऑफ पार्लियामेंटेरियन्स की ओर से जापानी दूतावास के सहयोग से आयोजित संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जापानी प्रतिनिधिमण्डल का जापानी भाषा से शुरूआत कर स्वागत किया।

इस दौरान राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर जापान और उत्तराखंड के बीच पार्टनरशिप को बढ़ाने के लिए चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड भूकम्प एवं आपदा की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है। आपदा प्रबंधन व भूकम्परोधी तकनीक के क्षेत्र में जापान राज्य को क्या सहयोग दे सकता है।

बकौल सीबीआई 121 सांसदों और विधायकों के खिलाफ ट्रायल लंबित

मनी लॉन्ड्रिंगः 51 सांसद एवं पूर्व सांसद आरोपित

नई दिल्लीः सांसदों और विधायकों पर दर्ज लंबित मामलों को लेकर एमिकस क्यूरी विजय हंसरिया ने सुप्रीम कोर्ट में ईडी और सीबीआई की रिपोर्ट के आधार पर एक रिपोर्ट दाखिल की है। इसमें बताया गया है कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत 51 सांसदों को आरोपित बनाया है, जिनमें मौजूदा और पूर्व सांसद शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट को बताया गया है कि 51 सांसदों के अलावा 71 विधायक भी मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोपित हैं। इसमें पूर्व और वर्तमान विधायक शामिल हैं।

सीबीआई की तरफ से कहा गया कि 121 सांसदों और विधायकों के खिलाफ ट्रायल लंबित हैं। एमिकस क्यूरी विजय हंसरिया ने रिपोर्ट में कोर्ट को यह निर्देश देने की मांग करते हुए कहा कि सांसदों के खिलाफ सुनवाई करने वाली अदालतों को विशेष रूप से ऐसे ही मुद्दों पर विचार करना चाहिए। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि केवल असाधारण परिस्थितियों में ही स्थगन दिया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि अदालतों को गवाहों से पूछताछ के लिए वीडियो कांफ्रेंस का इस्तेमाल करना चाहिए। रिपोर्ट में सीबीआई और ईडी के समक्ष लंबित मामलों की जांच की निगरानी के लिए एक निगरानी समिति के गठन की भी मांग की गई है।

देश में चल रहे लव जिहाद मिशन पर कड़ाई से लगे रोक : गिरिराज सिंह

बेगूसरायः केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने देश में बढ़ते लव जिहाद की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए चिंता जाहिर की है। उन्होंने मंगलवार को बेगूसराय में कहा कि देश में लव जिहाद का मिशन चलाया जा रहा है। हिंदू लड़कियों को बहला-फुसलाकर फंसाना और इस्तेमाल कर मार देना या छोड़ देना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पर कड़ाई से रोक लगनी चाहिए। दिल्ली में मुंबई से आकर एक मुस्लिम लड़के ने श्रद्धा की हत्या कर दी यह चिंताजनक है। गिरिराज दिल्ली निवासी श्रद्धा के साथ हुई घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। लव

जिहाद को लेकर लगातार आवाज उठाने वाले गिरिराज सिंह संसदीय क्षेत्र बेगूसराय के भ्रमण पर आए तो समस्तीपुर की चांदनी कुमारी ने भी सोमवार को गुहार लगाई थी कि सहरसा निवासी आफताब आलम नाम के एक लड़के ने लव जिहाद में फंसा कर गर्भवती कर दिया गया ।

पूर्व सांसद रघुराज सिंह शाक्य को मैदान में भाजपा ने उतारा

मैनपुरी में अब डिम्पल की राह आसान नहीं

मैनपुरीः समाजवादी पार्टी का गढ़ कही जाने वाली मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव का मुकाबला रोचक हो गया है। भाजपा ने यहां से पूर्व सांसद रघुराज सिंह शाक्य को प्रत्याशी बनाकर सपा के समक्ष तगड़ी चुनौती पेश की है। रघुराज सिंह शाक्य के सामने अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिम्पल यादव की डगर कठिन लगने लगी है।

मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र में यादव मतों के बाद सबसे ज्यादा शाक्य मतदाता हैं। ऐसे में भाजपा बीते दो चुनाव से शाक्य प्रत्याशी उतारती रही है। इस बार भी इसी फामूर्ले पर रघुराज सिंह शाक्य को प्रत्याशी बनाया गया है। मैनपुरी लोकसभा सीट को मुलायम सिंह

का गढ़ कहा जाता है। यह मुलायम परिवार की परम्परागत सीट मानी जाती है। 1996 से लेकर बीते लोकसभा चुनाव तक यहां सपा को कोई चुनौती नहीं दे पाया। पांच बार खुद मुलायम सिंह यादव यहां से सांसद रहे। वर्ष 2014 और 2019 में जबर्दस्त मोदी लहर में भी भाजपा इस दुर्ग को भेद नहीं सकी थी। इसकी सबसे अहम वजह यादव मतदाताओं की बड़ी संख्या थी। जातीय समीकरणों के लिहाज से देखें तो इस सीट पर यादव मतदाता अहम भूमिका निभाते रहे हैं।

मैनपुरी में सपा की हर नब्ज से वाकिफ हैं रघुराज सिंह शाक्यः रघुराज सिंह शाक्य का लम्बा राजनैतिक जीवन सपा में बीता है। वह मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबियों में रहे हैं। मैनपुरी में सपा की हर नब्ज से वह भलीभांति वाकिफ हैं। मैनपुरी की जमीनी हकीकत की भी वह समझ रखते हैं।

बिहार में जातीय जनगणना की समय सीमा बढ़ी

पटनाः मुख्यमंत्री नीतीश मंत्रिपरिषद की हुई बैठक कुल 13 महत्वपूर्ण एजेंडों पर मुहर लगी है। सबसे महत्वपूर्ण फैसला जातीय जनगणना को लेकर आया है। सरकार ने जातीय जनगणना की समय सीमा को बढ़ा दिया है। बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव पास किया गया है।

जातिगत गणना की समय सीमा बढ़ाई गईः पहले जातीय जनगणना अगले साल फरवरी 2023 तक पूरी करा लेनी थी लेकिन अब इसे दो महीने आगे बढ़ाया गया है। नीतीश सरकार अब मई 2023 तक जातीय जनगणना कराएगी। सामान्य प्रशासन विभाग के एजेंडे को कैबिनेट ने पास

कर दिया है। बिहार जाति आधारित गणना 2022 के लिए एपीपी और पोर्टल निर्माण के लिए परामर्शी के चयन पर अनुमानित खर्च 02 करोड़ 44 लाख 94 हजार 440 रुपये बेल्ट्रॉन को भुगतान करने की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

मद्य निषेध के प्रचार-प्रसार पर हुए व्यय के लिए 25 करोड़ रुपये आकस्मिकता निधिः नीतीश मंत्रिमंडल ने आज नगर विकास एवं आवास विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी अपनी मुहर लगाई है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर में डेंगू के प्रकोप और उससे लगातार हो रही जीवन की क्षति और प्लेटलेट्स की मांग को देखते हुए कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रो संगीता श्रीवास्तव ने संस्था की नैतिक सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए विश्वविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की पहल की। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सीनेट हाल में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 71 स्वयं सेवकों, शिक्षकों एवं छात्रों ने स्वैच्छिक रक्तदान हेतु नामांकन किया, जिनमें 41 लोग रक्तदान के लिए अर्ह पाए गए और उन्होंने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का प्रारंभ कार्यक्रम अधिकारी डॉ रवीन्द्र प्रताप सिंह एवं डॉ प्रमोद कटारा के रक्तदान से हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन से सहायक कुलसचिव श्री आशीष पाण्डेय एवं विधि अधिकारी पीयूष मिश्र जी ने रक्तदान किया। डॉ राजू पारघी एवं डॉ सतीश प्रजापति जी ने भी स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस अवसर पर प्रतिभाग करने वाले इन 71 रक्तदाताओं में कला संकाय, विज्ञान संकाय, वाणिज्य संकाय एवं विधि संकाय से स्वैच्छिक रक्तदाता शामिल थे। रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव प्रो नरेंद्र शुक्ल, डीन विज्ञान संकाय प्रो शेखर श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ राजेश कुमार गर्ग एवं ड़ा नीतू मिश्रा भी मौजूद थे। इस अवसर पर इस सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र एवं स्वल्पाहार का वितरण भी किया गया है। स्वल्पाहार का वितरण बेली हास्पिटल एवं एचडीएफसी बैंक के सौजन्य से हुआ। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र का भी वितरण किया गया। प्रमाण पत्र देने एवं उत्साहवर्धन के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारीगण एवं आचार्यगण उपस्थित रहे। प्रो0 मनमोहन कृष्ण, प्रो हरिशंकर उपाध्याय, प्रो पंकज कुमार, प्रो हर्ष कुमार, प्रो धनंजय यादव, प्रो राकेश सिंह (वित्त अधिकारी) प्रो एस0आई0 रिजवी , श्री ए0के0 कनौजिया (परीक्षा नियंत्रक) प्रो0 प्रणय कृष्ण, प्रो के एन उत्तम, प्रो. के पी सिंह, प्रो शिवमोहन प्रसाद, प्रो ए0आर0 सिद्दकी, प्रो0 जया कपूर, प्रो0 अर्चना चहल, डॉ बी0के0 सिंह, मेजर हर्ष कुमार, श्रीमान केशव उपाध्याय , डॉ पिंकी सैनी, डॉ रुचि दुबे, डॉ हरबंस सिंह, डॉ. अवनीश चतुर्वेदी, डॉ शशिकांत शुक्ल, डॉ अनूप कुमार, डॉ शिव कुमार यादव, डॉ मुनीश कुमार, डॉ गजुला राजू, डॉ अर्चना शाक्य आदि के हाथों रक्तदाताओं ने अपने प्रशस्ति पत्र प्राप्त किये। रक्तदान में छात्राओं ने भी बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय की मेडिकल टीम में डॉ संजू शुक्ला, अजय मिश्र, पंकज कुमार,लवलेश चंद्र शुक्ल, भूपेंद्र पाण्डेय, उपासना सुधाकर, सीता देवी, अमन कुमार, सुशील कुमार, अभिनव कुमार, ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह और रजत कुमार जी का सहयोग प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री जी ने आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनकों तथा मेडिकल टीम को सम्मानित भी किया।

रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर किया गया प्रोत्साहित

बिना हेलमेट बाइक चलाने से पापा को रोकें बच्चे : प्रभारी निरीक्षक बारा

अखंड भारत संदेश

बारा। बारा थाना क्षेत्रान्तर्गत यातायात माह के दौरान बारा पुलिस स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी करवा रही है।बिना हेलमेट पहने बाइक चलाने,सीट बेल्ट के बिना कार चलाने वाले लोगों को उनके बच्चे ही रोकें।

इसके लिए स्कूलों में ट्रैफिक पाठशाला लग रही है।थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार वर्मा, सह-निरीक्षक राजेश कुमार सचान,उपनिरीक्षक कौशलेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि बच्चों से अपील करना, अभिभावकों पर ज्यादा असरदायक होती है।यातायात नियमों का उल्लंघन करना एक तरफ जानलेवा साबित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर लोग इसे अपना शौक मानकर चल रहे हैं।कार चलाते समय सीट बेल्ट न लगाने वाले अपने को रुतबे वाला समझते हैं।इसी तरह बिना हेलमेट पहने बाइक चलाने में लोग अपने को हीरो मानने लगते हैं।इतनी कड़ाई के बावजूद भी लोग नियमों का पालन नहीं करना चाहते।इसी क्रम में बच्चों के जरिए अभिभावकों को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि बारा थानांतर्गत आने वाले सभी स्कूलों में जा-जाकर बच्चों को ट्रैफिक नियमों की बेसिक जानकारी दी जा रही है।रोड सिग्नल, जेब्रा क्रासिंग,ट्रैफिक सिग्नल,हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने आदि की जानकारी दी जाती है,और अपील की जाती है कि आप लोग अपने माता-पिता, घर के अभिभावकों को नियमों का उल्लंघन करने से रोकें।पुलिस द्वारा यातायात नियमों की जानकारी देने पर बच्चे उत्साहित दिखे और अभिभावकों को भी इन नियमों का पालन करवाने के लिए कहा।

पुण्यतिथि पर यातायात संगोष्ठी का आयोजन

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने वाले बीएन इंटर कॉलेज के संस्थापक कीर्तिशेष पंडित बद्रीनाथ तिवारी की 35वीं पुण्यतिथि बडे ही धूमधाम से मनाई गई। मौजूद लोगों ने उनके कृतित्व तथा व्यक्तित्व का बखान किया इस अवसर पर यातायात संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

बता दें कि मेजारोड बाजार स्थित बीएनटी इंटर कॉलेज के संस्थापक पंडित बद्रीनाथ तिवारी की 35वीं पुण्यतिथि बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया, साथ ही साथ यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को यातायात नियम के तरीके बताएं गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर राकेश सिंह आईं, विशिष्ट अतिथि शैलेश कुमार पांडे एस एसपी प्रयागराज मेजा समन्यवक यातायात जागरूकता अभियान अभिषेक तिवारी, चौकी प्रभारी मेजारोड राम भवन वर्मा उपस्थित रहे।कार्यक्रम में आए अतिथियों का मनीष तिवारी ने आभार प्रकट।इस अवसर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख मुन्ना शुक्ला समाजसेवी नीरज तिवारी अभिषेक तिवारी उर्फ टिंकू मेजा रोड व्यापार मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय समाजसेवी नीरज तिवारी नितेश तिवारी मनीष तिवारी शिवम शुक्ला अमरीश तिवारी उमाकांत सेठ राहुल तिवारी कल्लू केसरी इंजीनियर अकाश तिवारी अतुल तिवारी गोलू मौजूद रहे वहीं पुलिस प्रशासन की टीम में क्षेत्र अधिकारी मेजा विमल किशोर मिश्रा मेजा कोतवाल ज्ञानेश्वर मिश्रा चौकी प्रभारी मेजा रोड रामभवन बर्मा चौकी प्रभारी को अखिलेश सिंह मौजूद रहे ।

अमिलिया तरहार में महिला डॉक्टर न होने की शिकायत मिली है जल्द होगा समाधान-उप जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। क्षेत्र के अमिलिया गांव स्थित महिला अस्पताल में डाक्टर व नर्श की तैनाती नहीं है।जिससे महिलाओं को इलाज के लिए बीस किलोमीटर दूर शंकरगढ़ व जसरा जाना पड़ता है।अस्पताल में महिला डाक्टर की तैनाती कराने के लिए मंगलवार को भाजपा के जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी, पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज के जिलाध्यक्ष सुभाष शुक्ला, तहसील अध्यक्ष आशीष मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता रूपेश त्रिपाठी, भाजपा महामंत्री जसरा नीरज केसरवानी ने उपजिलाधिकारी बारा को शिकायती पत्र देकर महिला डाक्टर व नर्श के तैनाती की मांग किया है। उपजिलाधिकारी बारा अब्दुल्लाह सुदन ने बताया की मामले की जानकारी नहीं थी शिकायत मिली है पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी को अवगत कराया जाएगा।

कार ट्रक की आमने सामने भिडंत में कार सवार घायल

घूरपुर। घूरपुर के चकपूरे कला में ट्रक की आमने सामने भिडंत हो गई जिसमे कार सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर परिजन पहुंच एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया।

स्थानीय क्षेत्र के चौकठा गांव निवासी ईंट व्यवसाई राज कुमार सिंह (35)पुत्र हौसला प्रसाद सोमवार रात कार से शहर से अपने घर वापस लौट रहा था कि जैसे ही चक पूरे कला गांव के हाइवे पर पंहुचा कि शहर की ओर जा रहे ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी जिससे कार सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना दी परिजन पहुंच घायल को शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां पर उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

कवन सो काज कठिन जग माहीं, जो नहिं होइ तात तुम पाहीं।

अखंड भारत संदेश

जंघई। मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के गुणों का बखान करने वाली श्री रामचरितमानस का पाठ अनंत काल से होता चला आ रहा है। जीवन की मंगल कामना के लिए किया जाने वाला यह पाठ अत्यंत ही शुभ फलदायक है। जीवन की किसी भी शुभ शुरूआत के लिए लोग अखंड रामायण का पाठ करवाते हैं।इसी क्रम में चनेथू मनोरथपुर गांव में सुभाष नारायण तिवारी द्वारा अपने नवजात प्रपौत्र कृष्णानंद तिवारी पुत्र विकास तिवारी रुपी ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होने के अवसर पर अखण्ड रामायण पाठ एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया। परिजनों में प्रेमनारायण तिवारी, राम भास्कर तिवारी, कमलेश कुमार तिवारी, अतुल कुमार तिवारी, संदीप कुमार तिवारी, संयोम कुमार तिवारी एवं आचार्य अभय पांडेय, रामकृष्ण तिवारी, हृदय कांत मिश्र, श्रीकांत दुबे, आशाराम पांडेय, मुन्नू तिवारी, दीनानाथ त्रिपाठी, कपिल देव तिवारी, उमाशंकर तिवारी, संतोष पांडेय, बाबा तिवारी, सत्यवान तिवारी, परमिल दुबे, गुलाब यादव, कड़ेदीन मौर्य, रामकेश्वर मौर्य आदि लोग मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की हुई मौत

करछना। थाना क्षेत्र के बसरिया गांव के पास दिल्ली हावड़ा रेल रूट मार्ग पर ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत हो गई। घटना की जानकारी आस-पास के लोगों को हुई तो धीरे-धीरे लोगों की भीड़ जुड़ गई। सूचना होने पर स्थानी पुलिस मौके पर पहुंची जहां उपस्थित लोगों से मृतक सख्स की पहचान क्षेत्र के बेंदौ गांव निवासी रामसेवक पटेल 65 वर्ष के रूप में किया गया। वह पुलिस ने घटना की जानकारी मृतक के स्वजनों को देते हुए लिखा पढ़ी कर शव को पोस्टमार्टम भेज दिया। हालांकि वृद्ध कैसे और किन कारणों से रेलवे ट्रैक पर पहुंचा स्पष्ट नहीं हो पाया है।

मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को वितरण किया गया स्वीकृत पत्र एवं चाभी

अखंड भारत संदेश

करछना। मंगलवार को करछना ब्लॉक सभागार में मुख्यमंत्री आवास योजना(ग्रामीण) के अंतर्गत आवास लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं चाभी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि विधायक पियूष रंजन निषाद, उप जिलाधिकारी गनेश कनौजिया रहे।

जहां ब्लॉक सभागार में उपस्थित लाभार्थियों ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। इस दौरान कुल 70 लाभार्थियों को उनके आवास का चाभी सौंपी गई। विधायक पियूष रंजन निषाद ने संबोधन में कहा कि देश के प्रधानमंत्री व सूबे के मुख्यमंत्री का सपना है कि 2024 तक हर गरीब को उनके सपनों का घर मिले। उसी प्रेरणा को लेकर देश और प्रदेश की सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने सरकार के सौभाग्य योजना, उज्जवला योजना, निशुल्क राशन वितरण, स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर घर शौचालय सहित विभिन्न योजनाओं की उपलब्धियों को गिनाया। प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश कुमार द्विवेदी ने कहां भाजपा की सरकार समाज के हर वर्ग के लिए विकास की योजनाएं बनाई हैं। जिन्हें पूरी ईमानदारी से लागू किया जा रहा है। जिस मौके पर थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह,बीडीओ देव कुमार , एडीओ पंचायत विवेक मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद, प्रमोद कुमार तिवारी सोहगौरा, ग्राम प्रधान धितेश तिवारी, सुरेश चंद्र पांडे, रवि पटेल, धर्मराज पटेल, कृष्णदेव कोठार्य सहीत अन्य मौजूद रहे।

दहेज में चार पहिया वाहन की मांग न पूरी होने पर विवाहिता को मार पीट कर भगाया

मऊआइमा। दहेज में चार पहिया वाहन की मांग न पूरी होने पर विवाहिता को ससुरालियों ने मार पीट कर भगा दिये। विवाहिता ने पति सहित सात के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा कस्बा के पक्का तालाब निवासनीय रूबी बानों पुत्री मोहम्मद असलम की शादी लगभग आठ माह पूर्व कटरा थाना सराय इनायल निवासी मुबारक अली के साथ हुईं थी ।रुबी का आरोप है कि शादी के बाद से ही दहेज में चार पहिया की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने मार पीट कर गालियां देते हुए और जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। रुबी बानों ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर पति मुबारक अली, सास अनवरी बेगम ,ननद नेमा, साजिया, साजिदा, नजिमा, चाहत पुत्री गण नईमुद्दीन के खिलाफ दहेज प्रथा समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है।

मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों को सौंपी गई चाभी

अखंड भारत संदेश

मऊ आइमा। मऊ आइमा विकास खण्ड के सभागार में मुखमंत्री आवास योजना के बने आवासों के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र तथा चाभी सौपी गई। मंगलवार को मऊआइमा विकास खण्ड के साभागार में । मुख्यअतिथि निर्मला पासवान (एमएलसी) विशिष्टअतिथि इम्तियाज समी ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि के द्वारा लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र तथा चाभी सौपी गई ।जिसमे निर्मला पासवान ने कहा कि क्षेत्र का कोई भी गरीब व्यक्ति आवास विहिन नही रहेगा ।जिसके लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत जिनका मकान प्राकृतिक आपदा में गिर गया था ऐसे पात्र व्यक्तियो को देने का कार्य कर रहे हैं ।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन एडीओ आई,एस,बी ने किया । जिस मे एस एन चतुवेर्दी (बीडीओ) राम सुन्दर मिश्रा मण्डल अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा उपाध्यक्ष, शिव बाबू मोदनवाल (बीडीसी), महेश माली, (बीडीसी) दीपक मिश्रा, (बीडीसी) दिलीप पासी, (बीडीसी) लाल चंद (बीडीसी) दीपक यादव, (बीडीसी) फतेह बहादुर पटेल (बीसीसी), लाल चन्द्र पासी बीडीसी , तीरथ यादव प्रधान, अमजद प्रधान, सुरेश पासी प्रधान राहुल सिंह आदि सम्मानित बीडीसी और प्रधानगण मौजूद थे।

पुलिस के डर से नही अपनी सुरक्षा के लिए लगाए हेलमेटः मनोज सिंह

अखंड भारत संदेश

रत्योरा/ प्रयागराज। यातायात माह एक नवम्बर से ही शुरू हो गया है।इसे लेकर कोरांव पुलिस हल्का इंचार्ज मनोज सिंह ने अपने हमराहियो के साथ मंगलवार को दोपहर रत्योर चौराहे पर बिना हेलमेट दौड़ रहे बाइक सवारों पर शिकंजा कसा गया चेतावनी देते हुए चालान भी काटा और जागरूकता पैदा की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस के डर से नही अपनी सुरक्षा के लिए लगाए हेलमेट की हिदायत भी दिया।बता दें कि कोरांव थाना प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र सिंह के आदेश में कोरांव पुलिस ने बिना हेलमेट पहने, बाइक पर तीन सवारियों व खराब नम्बर प्लेट लगे वाहनों का भी चालान किया गया और यातायात नियमों के बारे में जानकारी भी दी गई। थाना क्षेत्र के रत्योरा चौराहे पर उपनिरीक्षक हल्का इंचार्ज मनोज सिंह ने अपने हमराहियों के साथ रत्योरा चौराहे पर वाहन चालकों को रोककर उन्हें यातायात नियमों के बारे में विस्तार से समझाया। कानों में लीड लगाकर चलने वालों व बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को जागरूक करते हुए कहा कि आप लोगों की प्रेरणा एवं सतर्कता से ही हादसे रुकेंगे और दूसरों को प्रेरणा भी मिलेगी। कार चालकों को भी सीट बेल्ट लगाकर ही गाड़ी चलाने का पाठ पढ़ाया गया।

गोलोक में भी पृथ्वीलोक जैसा सुख नहीः ब्रह्मचारी महाराज

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। गोलोक में भी पृथ्वी लोक जैसा सुख नहीं है। जो आनंद यहां (पृथ्वीलोक) है, कहीं और नहीं। भगवान उस घर से कहीं नहीं जाते, जिस घर में उनकी निष्काम भाव से आराधना की जाती है। भगवान को भी मृत्युलोक पसंद है। उन्हे (भगवान को) जो प्रेम यहां मिलता है, कहीं नहीं मिलता। यह बातें डा. विशुद्धानंद ब्रह्मचारी जी महाराज ने कही। नगर पंचायत शंकरगढ़ के कनकनगर मोहल्ले में आयोजित श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में ब्रह्मचारी महराज ने भगवान और भक्त के बीच प्रेम की व्याख्या करते हुए कहा, पृथ्वी की बुराई मत करो। अपने घर की निंदा नहीं करनी चाहिए। झोपडी की भी प्रशंसा करिए। पति, बच्चों की भी निंदा न करें। निर्रथक किसी की निंदा न करें। जब हम इस धरती का आनंद ही नहीं ले सकते, तो कोई क्या कर सकता। सुख और आनंद धन से नहीं मिलता। आठ नवंबर से 16 नवंबर तक चलने वाली भागवत कथा में ब्रह्मचारी जी महाराज ने कहा, जिसमें दया हो वही भगवान को प्राप्त करता है। भक्त-भगवान की महिमा की व्याख्या करते हुए ब्रह्मचारी महाराज ने अहम विनाश का सबसे बड़ा कारण है। रंच मात्र सफलता मिलने पर लगने लगता है कि इस धरती पर हमसे बड़ा कौन है। कहा, आप कितने भी ऊपर चले जाइए, जीवन में अहंकार को कभी भी स्थान मत दीजिये।इसके साथ उन्होंने सामाजिक संबंधों की भी व्याख्या की। कहा, धरतीलोक पर संबंधों की भी एक दुनिया है। एक ही स्त्री किसी की बुआ है, किसी की मां, किसी की बेटी और किसी की बहू। अगर आपको संबंध निभाना नहीं आया तो समझ लीजिए कि आप बोझ हैं।डा. विशुद्धानंद जी महाराज ने कहा, इस पृथ्वी पर कुल 10 संबंध हैं। जिसमें जननी, जनक, बंधु, सुत, दारा, तन, धन, भवन, सुहृदय, परिवार, ये 10 रिश्ते, जिसका निर्वहन कर लीजिए, सारा सुख धरती पर ही मिल जाएगा।

कनकनगर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में डा. विशुद्धानंद जी महराज ने समझाया जीवन का मर्म

शिव इंटर कॉलेज कटहरा के छात्र ने फ्रांस में लहराया देश का परचम...

अखंड भारत संदेश

धनूपुर। फ्रांस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट प्रतियोगिता के 100 मीटर दौड़ में भारत की ओर से शिव इंटर कॉलेज कटहरा के पुरा छात्र वेद प्रकाश ने गोल्ड मेडल हासिल कर प्रतियोगिता में अपना परचम लहराया। नवीं अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में वेद प्रकाश ने भारत की ओर से एथलेटिक्स टीम में प्रतिभाग किया था इस प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने के बाद 2024 में आयोजित होने वाली यूथ ओलंपिक प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। वेद प्रकाश के अपने विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य डॉ सुयोग पांडेय, शिक्षक बृजेश शंखधर, संतोष राय, महेश, चंद्रभान, सत्यनारायण सरोज, शरद यादव, धर्मेंद्र मिश्रा, शिवभान, सुधीर, विवेक, रायसाहब सहित प्रार्थना सभा पर सभी बच्चों ने तालियों की गड़गड़ाहट और माला फूल के द्वारा जोरदार स्वागत किया। प्रधानाचार्य डॉक्टर सुयोग पांडेय ने सफलता अर्जित करने पर बधाई देते हुए क्षेत्र के अन्य बच्चों के लिए वेद प्रकाश को एक मिसाल के रूप में प्रस्तुत किया।

मनाई गई पंडित नेहरू की जयन्ती

अखंड भारत संदेश

सहसों। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं आजादी के महानायक पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर भरद्वाज गुरुकुलम रुदापुर के प्रांगण में सोमवार को उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित कर शत शत नमन किया गया। इस अवसर पर भारत रत्न से सम्मानित पंडित नेहरू जी के जन्मदिन पर बाल दिवस के रूप में विद्यालय के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाकर आपसी सहयोग और सौहार्द के साथ विभिन्न ब्यंजनो को छात्र-छात्राओं द्वारा गुरुजनों एवं अतिथियों को खिलाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के पीसीसी सदस्य एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशफाक अहमद ने पंडित नेहरू के कृतित्व और व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा देश हित में किए गए सराहनीय कार्यों व देश को एक नई दिशा देने एवं जन-जन के हृदय में विराजमान होने वाले पंडित नेहरू को उन्होंने शत शत नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर संस्था के प्रबंधक विनय कुमार उपाध्याय ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उपहार देकर सम्मानित किए। इस अवसर प्रमुख रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता देवराज उपाध्याय, प्रमुदित यादव,शकील इदरीसी, श्वेता सिंह, प्राची श्रीवास्तव, सुरक्षा निषाद सहित आदि उपस्थित रहे।

मोबाइल लूट का विरोध करने पर छात्र को मारी गोली, एसआरएन में भर्ती

कोचिंग से लौट कर परेड ग्राउंड में आराम कर रहा था छात्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। परेड ग्राउंड में बदमाशों ने एक छात्र को सिर्फ इसलिए गोली मार दी क्योंकि उसने मोबाइल लूट का विरोध किया। छात्र कोचिंग से लौटकर परेड ग्राउंड में बैठा हुआ था तभी बदमाशों ने उसे गोली मार दी। गोली उसके पैर में लगी है। काफी खून बह जाने के कारण उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने छात्र को स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती करा दिया है।

कोचिंग से लौटकर परेड ग्राउंड में कर रहा था रेस्ट

शुभम यादव झांसी का रहने वाला है। रोज की तरह मंगलवार को भी वह कोचिंग से लौटकर परेड ग्राउंड में थोडी देर सुस्ता रहा था। तभी बाइक सवार तीन बदमाश पहुंचे और उसका मोबाइल छीनने की कोशिश करने लगे। इसका शुभम ने विरोध किया और तीनों से भिड़ गया। शुभम तीनों पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा था।उसने एक हमलावर को दबोच भी लिया था कि उसमें से दूसरे हमलावर ने शुभम पर फायर कर दिया। गोली उसके पैर में लगी और वह वहीं लहूलुहान होकर गिर पड़ा। दिनदहाड़े गोली चलने की आवाज से मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस भी थोड़ी देर में पहुंच गई।मौके पर पहुंची पुलिस ने शुभम यादव को स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती करा दिया है। उसके पैर में गोली लगने के बाद काफी खून बह गया। डॉक्टरों ने उसकी स्थिति नाजुक बताई है। कड़ी मशक्कत के बाद चिकित्सकों ने उसके पैर में फंसी गोली निकाल दी है।

सीसीटीवी फुटेज में दिखे तीन बदमाश

छात्र शुभम को गोली मार कर भाग रहे बाइक सवार तीन युवकों को पुलिस ने चिन्हित किया है। उस क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज को खंगालने के बाद तीन बाइक सवार बदमाश भागते दिख रहे हैं। फिलहाल पुलिस तीनों की पहचान करने में जुट गई है। वारदात में शामिल तीनों युवक काफी कम उम्र के लग रहे हैं।

जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल अंडर 19 में लगातार दूसरी बार बना चैम्पियन

करछना। जिला स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2022 का आयोजन जिला टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन प्रयागराज के तत्वावधान में दौलत हुसैन इंटर कॉलेज के खेल मैदान में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में अंडर 14, अंडर 17, अंडर-19, व सीनियर वर्ग में प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। उक्त प्रतियोगिता में जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल का प्रदर्शन अंडर 14 में तृतीय, अंडर 17 में द्वितीय व अंडर 17 ब में तृतीय व अंडर 19 में प्रथम स्थान ले कर लगातार दूसरी बार चैम्पियन बना।

अंडर 19 में बतौर कप्तान बृहद मनी शुक्ला व प्रियांशू पाण्डेय का प्रदर्शन अद्भुत रहा। इन्होंने रन के साथ साथ काफी किफायती बॉलिंग भी की। वहीं अंडर 17 में हर्ष तिवारी ने बतौर कप्तान अच्छी पारी खेली।

अंडर 14 में बतौर कप्तान सार्थक शुक्ला ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया।बच्चों के प्रदर्शन से प्रसन्न हो कर निदेशक डॉ आर पी पाण्डेय, डॉ के के शुक्ला व प्रधानाचार्या श्रीमती अंकिता मिश्रा ने बच्चों सहित कोच श्री रवि भूषण राय व टीम मैनेजर श्री अमित विश्वकर्मा को सम्मानित कर हौशला बढ़ाया।

बाल दिवस के उपलक्ष्य में बच्चो का शैक्षिक भ्रमण

शैक्षिक भ्रमण भी पढ़ाई का एक अंग है: रुचि सिंह

अखंड भारत संदेश

सोरांव। सोमवार को बाल दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर में सभी बच्चों कक्षा 2 से 5 तक के सभी बच्चों को इंचार्ज प्रधानाध्यापिका रुचि सिंह के नेतृत्व में सभी सहायक अध्यापिकाओं की मदद से जिला प्रतापगढ़ के मनगढ़ में स्थित राधा कृष्ण की मशहूर मंदिर को दिखाने के लिए एक बस से गए।इतना ही नहीं इंचार्ज अध्यापिका ने सभी छात्र छात्राओं को पूरी जिम्मेदारी निभाते हुए सभी को सुरक्षित घर घर पर पहुंचकर अभिभावकों से रूबरू हुई।

इंचार्ज ने कहीं बाल दिवस पर अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त की। बताएं कि शैक्षिक भ्रमण से बालकों के मानसिक, नैतिक, और सामाजिक जानकारी होती है। जो भुलाया नही जा सकता है। इतना ही नहीं इंचार्ज ने बच्चो को बताई कि पंडित जवाहर लाल नेहरू को बच्चों से इतना प्यार था कि उन्हें चाचा नेहरू के नाम से भी जाना जाता है। यही वजह रही कि भारत की संसद ने उनके जन्मदिन 14 नवंबर को भारत में बाल दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। उनके मन में बच्चों के लिए अपार प्यार और सम्मान था और वह उन्हें हमारे देश का भविष्य मानते थे। इस प्रकार, भारत में 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। इतना ही नहीं उन्हें गुलाब भी बहुत पसंद थे। इसलिए उनके कोर्ट की जेब में हमेशा एक गुलाब रहता था। वह हर बच्चे को भारत का भविष्य मानते थे। इसलिए उनका मानना ??था कि उनके साथ अच्छा व्यवहार किया जाना चाहिए और उन्हें शिक्षित किया जाना चाहिए। इस मौके पर सहायक अध्यापिका कंचन मौर्य,सोनाली कुमारी,शिक्षा मित्र स्वेता शुक्ला,संग बच्चे उपस्थित रहे।

अपर निदेशक स्वास्थ्य ने बसमहुआ गांव पहुंचकर ली जानकारी, प्रकट की शोक संवेदना

अखंड भारत संदेश

सहसों। डेंगू संक्रमण के चलते पीड़ित लोगों को इस घातक संक्रमण से मृत्यु होने पर क्षेत्र के भ्रमण के दौरान चंदरपुरपुर उर्फ बसमहुआ गांव निवासी भाजपा नेता अशोक कुमार तिवारी की बुखार से मौत पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सोमवार को पहुंचे अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ केके वर्मा ने उनके स्वजनों तथा गांव की आशा बहू रीता देवी से बातचीत कर विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की।सोमवार को अपर निदेशक स्वास्थ्य प्रयागराज डॉक्टर के के वर्मा ने बसमहुआ गांव पहुंचकर बुखार से भाजपा नेता की हुई असामयिक निधन पर उनके बड़े भाई राष्ट्रीय स्तर के कांट्रैक्टर जितेन्द्र कुमार तिवारी, शोभा लाल तिवारी तथा उनके पुत्र शाश्वत तिवारी से बातचीत कर विभिन्न पहलुओं पर जानकारी हासिल की। अपर निदेशक ने अशोक तिवारी के पुत्र शाश्वत तिवारी से जानकारी लेने पर शाश्वत ने बताया कि पिताजी के पहले उनकी माता गायत्री देवी को भी डेंगू बुखार हुआ। इलाज होने पर वह ठीक हो गई तब पिताजी की तबीयत खराब हुई। जांच करवाने पर डेंगू तथा प्लेटलेट्स कम होने की जानकारी हुई। तत्काल इलाज के लिए शहर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर स्वास्थ्य लाभ न मिलने पर तत्काल इलाज के लिए दिल्ली लेकर चले गए जहां पर उन्होंने 10 नवंबर को अंतिम सांस ली।

अपर निदेशक ने गांव की आशा बहू रीता देवी को बुलाकर कीटनाशक दवाओं के छिड़काव, संचारी रोगों के संक्रमण के लिए जागरूकता अभियान के संबंध में तथा गांव में स्वास्थ्य गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने आशा बहू रीता देवी को पंचायत विभाग से समन्वय बनाकर तत्काल दवाओं के छिड़काव की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। अंततः अपर निदेशक स्वास्थ्य ने भाजपा नेता अशोक तिवारी के निधन पर परिजनों को सांत्वना देते हुए शोक संवेदना प्रकट किए।

भारत की ममता महलों में रहने वाले नहीं मजदूरों के बेटे करते हैं: राजमणि कोल

भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया गया विधायक ने मुख्यमंत्री आवास के लाभार्थियों को वितरित किया चाबी व प्रमाण पत्र

शहजादे

कोरांव/प्रयागराज। भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत के विरोध में सबसे पहले किसानों पर लगने वाले कर को खतम कराने हेतु आंदोलन छेड़ा था। जिसके बाद अंग्रेजी हुकूमत ने उन्हें जेल में जहर पिला कर हत्या कर दी थी। वे जनजातीय समाज के उत्थान व देश की आजादी में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए कुबार्नी दे दी थी। जिन्हें हम सबको याद रखना जनजातीय समाज के गौरव की बात है।

यह बातें कोरांव विधायक राजमणि कोल ने ब्लॉक मुख्यालय कोरांव की ओर से इंद्रप्रस्थ गेस्ट हाउस में आयोजित मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण वित्तीय वर्ष 2022 - 23 के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं चाबी वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भगवान बिरसा मुंडा के जयंती अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कही। विधायक ने आगे कहा कि भारत की ममता दूध घी मक्खन खाने वाले व महलों में रहने वालों को नहीं होती है इनका बेटा शहीद नहीं हो सकता शहीद तो किसान व गरीब मजदूरों के बेटे होते हैं। और भारत की ममता भी करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि 25 वर्ष की आयु में महान क्रांतिकारी वीर योद्धा बिरसा मुंडा ने अपने प्राणों की आहुति समाज के उत्थान व देश की आजादी के लिए दे दी थी उनको सदैव याद रखा जाएगा और उनके द्वारा किए गए कार्य अविस्मरणीय रहेंगे। आवास लाभार्थियों से खचाखच भरे जनसैलाब को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ से मिलकर मध्यप्रदेश व झारखंड की तर्ज पर उत्तर प्रदेश की कोल जाति को जनजाति का दर्जा दिलाने के लिए प्रयासरत हूं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा संसद के सामने लगना गौरव की बात है। विधायक राजमणि कोल ने मुख्यमंत्री आवास के कुल 967 लाभार्थियों को जहां स्वीकृति पत्र दिया वही 10 लाभार्थी जिनके मकान बन कर तैयार हो गए थे उनको चाबी भी सौंपी। इसी प्रकार विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास का पैसा सीधे आपके खाते में आ रहा है। किसी को एक रुपए देना नहीं है। कार्यक्रम में उपस्थित रहे खंड विकास अधिकारी मुकेश कुमार ने लाभार्थियों से कहा कि ग्राम प्रधान अथवा सचिव या कोई अन्य आवास के नाम पर पैसा मांगता है तो ईसकी शिकायत मुझसे करें संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। खंड विकास अधिकारी ने कहा कि विधायक राजमणि कोल के प्रयास से इस जनजाति बाहुल्य विकासखंड कोरांव में अन्य ब्लाकों की अपेक्षा मुख्यमंत्री आवास अधिक स्वीकृत हुए हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि जो लाभार्थी छूटे हैं उन्हें भी अगले चरण में आवास योजना का लाभ दिलाया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गरीब महिलाओं को निशुल्क उज्जवला गैस कनेक्शन किसान सम्मान निधि किसी भी सरकार ने देने का काम नहीं किया। भारतीय किसान संघ काशी प्रांत के मंत्री भोला सिंह ने संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ समस्त पात्र कोल जाति के लोगों को देने का आह्वान किया। इसी प्रकार कार्यक्रम को प्रमुख रूप से भाजपा महिला मोर्चा की जिला मीडिया प्रभारी संतरा देवी निषाद, बबुआन द्विवेदी आदि वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष संजय सिंह पटेल, रामकृष्ण केसरी, विधायक पीआरओ रामाश्रय शुक्ला, रेवती पाल, सहायक विकास अधिकारी पंचायत दिनेश चंद्र पाठक समेत भारी संख्या में आवास लाभार्थी ग्राम प्रधान ग्राम विकास अधिकारी एवं क्षेत्रीय लोग तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अपना दल एस के राष्ट्रीय सचिव ने मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

अखंड भारत संदेश

रत्योरा/ प्रयागराज। विधानसभा कोरांव के पड़रिया गांव के आदिवासी बस्ती में अपना दल एस पार्टी के पदाधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिखा पटेल प्रदेश सचिव महिला मंच ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा महान क्रांतिकारी व वीर योद्धा थे जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के विरोध में आंदोलन छेड़ा था और अल्पायु में ही अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। विशिष्ट अतिथि रहे राजेश पटेल बुलबुल राष्ट्रीय सचिव एवं रामजी सिंह पटेल राष्ट्रीय सचिव ने भी भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला और उपस्थित लोगों को उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवबालक कोल जिला अध्यक्ष सांस्कृतिक मंच ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ हरीश चंद्र सिंह पटेल, जिलाध्यक्ष चिकित्सा मंच, गोपाल कृष्ण सिंह जिलाध्यक्ष श्रमिक मंच, संजय धनगर विधानसभा अध्यक्ष, कमलाकर पटेल विधानसभा उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह उर्फ कमलाकर पटेल, प्रभाकर पटेल, प्रभात सिंह पटेल आदि सैकड़ों कार्यकर्ता एवं महिलाएं उपस्थित रही।

शिक्षा से ही समाज एवम राष्ट्र की प्रगति संभव: अनिल विश्वकर्मा

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन पर क्षेत्र मे संचालित विभिन्न शैक्षिक संस्थानों मे बाल मेले का आयोजन करके हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कमला स्मारक इंटर कालेज मे बाल मेले के साथ विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को जलसंरक्षण, पर्यावरण, रक्तदान इत्यादि सामाजिक एवम महत्वपूर्ण विषयों के प्रति ग्रामीणों मे जागरूकता का प्रचार प्रसार किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री अनिल कुमार विश्वकर्मा नें माँ सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण करके बालमेला एवम विज्ञान प्रदर्शनी का उदघाटन करते हुए बोले कि जवाहर लाल नेहरू को बच्चों के प्रति अपार स्नेह के कारण प्रतिवर्ष उनके जन्मदिन को बालदिवस के रूप मनाया जाता हैं आगे उन्होंने देश को आजाद कराने मे पंडित जवाहर लाल नेहरू के योगदानो की जानकारी भी विद्यार्थियों को प्रदान किए।इस दौरान अभिवावक एवम विद्यार्थियों को सम्बोधन करते हुए प्रबंधक श्री अनिल कुमार विश्वकर्मा नें यह भी कहा कि शिक्षा के बल पर ही समाज एवम राष्ट्र को उन्नति के शिखर पर ले जाया जा सकता हैं। समाज मे व्याप्त विभिन्न सामजिक कुरुतियों को को जड़ से खत्म करने की दिशा मे भी शिक्षा का अहम स्थान हैं इसलिए एक जून भले भूखा सोना पड़े किन्तु अपने बच्चों को पढ़ाने का अटूट संकल्प लेना होगा विद्यार्थियों से भी मन लगाकर पढ़ने की अपील किये।प्रधानाचार्या श्रीमती अलका विश्वकर्मा नें आये हुए अतिथियों, ग्रामीणों के प्रति आभार प्रकट करते हुए मेधावियों को सम्मानित भी की। अवसर पर विद्यालय के छात्र / छात्राओं एवम अभिवावकों सहित अखिलेन्द्र कुमार विश्वकर्मा,सुशील शर्मा, अजय शर्मा,पवन विश्वकर्मा,किरन द्विवेदी, नीतू चौबे, प्रभा, आरती, दर्शना, दीपक गुप्ता, अश्विनी जैन आदि शिक्षक एवम शिक्षकाएं मौजूद रहें।

विश्व शांति व जन कल्याण के लिए किया गया रामायण का पाठ

अखंड भारत संदेश

सहसों। क्षेत्र के सिंगरामऊ गांव में मंगलवार को समाजसेवियों एवं ग्रामीणों द्वारा विश्व शांति एवं जनकल्याण हेतु परम सत्तासीन प्रभु मयार्दा पुरुषोत्तम राम जानकी के चरणों में श्रीरामचरितमानस रामायण पाठ का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी लालजी द्विवेदी ने बताया कि पुरातन से चली आ रही भक्ति भावना के आधार पर जब जब भी इस धरती पर कोरोना, डेंगू जैसी महामारी उत्पन्न होती है जिससे मानव जगत संकट का बादल घिरता है तब तब ऋषि मनीषियों, पंडितों, विद्वानों द्वारा जन कल्याण के लिए परमात्मा को याद किया जाता रहा है इसी को देखते हुए हम लोग आपसी सहयोग एवं भाईचारा के साथ इस श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ का आयोजन किया गया है जिससे विश्व में शांति एवं मानव जगत का कल्याण के साथ ऐसी महामारी से निजात मिल सके। इस अवसर पर आयोजक पंडित केशव चंद्र द्विवेदी, श्रीचंद्र द्विवेदी, सुरेश चंद्र द्विवेदी, शेष कुमार, अरुण कुमार, जय कृष्ण पांडे वीरु, विपिन एवं शिव कुमार सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

सीएम आवास की चाभी पाकर लाभार्थी हुए खुश, किए सराहना

अखंड भारत संदेश

सहसों। बिना छत के जीवन यापन कर रहे पात्र लाभार्थी मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत अपने पक्के मकान की चाभी पाकर बहुत खुश दिखे और प्रदेश की सरकार एवं मुख्यमंत्री योगी आदिनाथ की सराहना किए। विकासखंड सहसों में कुल 18 पात्र लाभार्थियों को मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चयन किया गया है। जिसमें सात लाभार्थियों के तैयार आवास की चाभी विकासखंड सहसों की प्रमुख गीता सिंह ने उन्हें सौंप कर बधाई दी। तथा अन्य लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र देकर उन्हें अपनी शुभकामना दी। चाभी प्राप्त करने वाले लाभार्थियों में चंदौहां के रेहाना बेगम, तुलापुर के घनश्याम यादव, सुरेमा व राममूरत, बजाही के राजू यादव, सिकंदरा के नीतू श्रीवास्तव ने चाभी पाकर खुशी का इजहार करते हुए कहा कि आज हम सब मुख्यमंत्री सहित जिले तथा ब्लॉक के अधिकारियों के कारण पक्की छत मिली जिसमें अब हम परिवार सहित रह सकेंगे।इस अवसर पर एडीओ आईएसबी विजय गौतम, प्रमुख प्रतिनिधि शिवनारायण सिंह गप्पू , सोनू सिन्हा अकाउंटेंट, विजय बहादुर कनिष्ठ लिपिक, अशोक पाल, कामरान, अंजनी, उमेश, ललिता यादव , राम बहादुर, अश्वनी, विवेक, राजेश सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

इसी तरह विकासखंड बहादुरपुर के कोतारी ग्राम पंचायत में मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत लाभार्थी आनन्द कुमार मिश्र पुत्र सुरेश चन्द्र मिश्र को आवास की चाभी उपलब्ध

करातें फूलपुर विधायक प्रवीण पटेल तथा मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज सिपू गिरि , परियोजना निदेशक अशोक कुमार मौर्य, खण्ड विकास अधिकारी बहादुरपुर मनोज कुमार सिंह, ग्राम प्रधान कोतारी राम सिंह, ग्राम पंचायत अधिकारी शिवांजली द्विवेदी द्वारा उपलब्ध कराया गया। इस सुनहरे अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पात्र लाभार्थियों का गृह प्रवेश एवं हाल-चाल संवाद वर्चुअल माध्यम से कराया गया। जिसमें कोतारी गांव निवासी लाभार्थी आनन्द कुमार मिश्र ने मुख्य मंत्री योगी जी को अपना परिचय दिया और गणेश वन्दना *गजाननम् भूत गणाधिषेवितम् कपित्थजम्बू फल चारु भक्षणम् उमा सुतं शोकविनाश कारकम नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम्* सुनाते हुए

बताया कि हमें मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत अपना पक्का मकान प्राप्त हुआ।तथा सरकार द्वारा हमे स्वच्छ शौचालय, विजली कनेक्शन, आवास,राशन कार्ड एंव आयुष्मान कार्ड प्राप्त हो चुका है। जिस पर मुख्यमंत्री योगी ने बधाई देते हुए कहा कि माता-पिता की सेवा करते रहिए सब काम हो जाएगा। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी बहादुरपुर मनोज कुमार सिंह, ए.डी.ओ पंचायत राम शंकर त्रिपाठी, जेई गिरजा शंकर यादव, टी.ए.शकील, वेद प्रकाश पाठक , जिला मिडिया प्रभारी भाजपा बृजेश कुमार त्रिपाठी, चिन्ता मणि मिश्र,सुरेश चन्द्र मिश्र,ज्ञानेश्वर मिश्र,अशोक कुमार, विद्याभूषण मिश्र,राकेश कुमार मिश्र,राजेश कुमार मिश्र,शंकर सुमन मिश्र,सहित सैकड़ों ग्राम के सभ्रांत लोग उपस्थित रहे।

बाइक चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करे- आई जी

अखंड भारत संदेश

सिरसा/प्रयागराज। मेजा क्षेत्र ब्लाक उरुवा बद्रीनाथ तिवारी इंटर कॉलेज में संस्थापक पंडित बद्री नाथ तिवारी की 35वी पुण्य तिथि मनाई गई और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों को यातायात के बारे में बताया गया। बता दे की यातायत माह में आज मंगलवार के दिन बद्रीनाथ तिवारी इंटर कॉलेज मेजारोड में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बड़े रोचक ढंग से बच्चों को यातायात का पाठ पढ़ाया गया। कार्यक्रम की शुरूवात प्रयागराज आईजी राकेश सिंह व एसएसपी शैलेश पांडे ने दीप प्रज्वलित कर के माल्यार्पण किया। स्कूल की तरफ से मंच पर बैठे सम्मानित लोगो को बैच लगाकर सम्मानित किया गया। स्कूल की छात्राओं ने सरस्वती गीत व स्वागत गीत गा कर चार चांद लगाया।जिससे बैठे लोगो ने ताली बजा के छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। बद्रीनाथ इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं द्वारा नाटक की प्रस्तुति प्रस्तुत की गई। आईजी राकेश सिंह ने कहा की बच्चे बाइक चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें यातायात का पालन करें जब भी बाइक चलाएं तो ज्यादा स्पीड से न चलाए।इस कार्यक्रम में एसएसपी प्रयागराज शैलेश पांडे ने बच्चो को यातायात के बारे में बताते हुए कहा की अपनी सुरक्षा के साथ दूसरो की सुरक्षा भी करनी चाहिए। बच्चों से कहा कि आप लोग स्कूल जाते समय यातायत के नियमों का पालन करते हुए सड़क को पार करें। मंच का संचालक कर रहे राजू यादव स्कूल के उप प्रबंधक ने कहा की यातायत का पालन करने से हम सुरक्षित और स्वस्थ रहेंगे। सभी पत्रकार साथियों को रौनक गुप्ता सारथी फाउंडेशन के माध्यम से सेल्फ डिफेंस की तरफ से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उपर्युक्त कार्यक्रम में मेजा सीओ विमल मिश्रा, मेजा प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा, पीआरओ एसएसपी पंकज त्रिपाठी, मेजा चौकी प्रभारी मेजारोड रामभवन वर्मा, चौकी प्रभारी कोहड़ार अखिलेश सिंह,यातायत प्रभारी अमित कुमार, टीङ्घआईङ्घ पवन पांडे, नितेश तिवारी,रमाकांत मिश्रा,मनीष तिवारी,अमरेश तिवारी, आकाश तिवारी सहित स्कूल के अध्यापक व सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आवास की चाभी पाकर खिले लाभार्थियों के चेहरे

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। ब्लाक मुख्यालय कालाकांकर की ग्राम पंचायत ऐंठू, मिरगढ़वा व परियावां में मंगलवार को ब्लाक सभागार कक्ष में प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री वर्ष 2020-21-22 में लाभार्थी पारवती पत्नी श्यामलाल ऐठू निवासी व सीमा देबी पत्नी धर्मराज सरोज मिरगढ़वा निवासी व परियावां में फूलचन्द गौतम,देवनारायन मौर्या, प्रमोद साहू व अक्षयलाल पाल को आवास की चाभी दी गई जिसे पाकर लाभार्थियों के चेहरे खिल गये।

ग्रह प्रवेश में खण्ड विकास अधिकारी कालाकांकर जी डी शुक्ला व सहायक बिकास अधिकारी सन्तोष कुमार शुक्ला के साथ ग्राम पंचायत सचिव प्रभांशु पांडेय, शशिकांत सिंह ग्राम प्रधान केसा देबी (ऐठू) आशमा बीबी (मिरगढ़वा) मौजूद रहीं। ब्लाक सभागार कक्ष में बीडीओ जी डी शुक्ला व एडीओ संतोष शुक्ला व ब्लाक प्रमुख रमेश सरोज व पूर्व ज्येष्ठ ब्लाक प्रमुख रमेश सिंह के साथ ग्राम प्रधान परियावां अनिल कुमार मौर्य ने लाभार्थियों को आवास की चाभी सौपी।

फोटो 6-लाभार्थी को आवास की चाभी देते अधिकारी।

किशोरी के अपहरण को लेकर पीड़िता की मां ने दी तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली लालगंज के अगई के खारा का पुरवा गांव की किशोरी को बहलाफुसलाकर उसका अपहरण किये जाने को लेकर पुलिस को तहरीर दी गयी है। कोतवाली के गांव की पीडिता दुलारी पत्नी मुन्ना लाल सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीते तेरह नवंबर की शाम पांच बजे उसकी सोलह वर्षीया पुत्री को गांव का एक युवक बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया। घर से जाते समय किशोरी घर मे रखे करीब दो लाख की कीमत के सोने चांदी के जेवरात भी अपने साथ उठा ले गयी। पीडिता ने तहरीर मे अपनी पुत्री के साथ आरोपी द्वारा दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिये जाने की आशंका भी जताई है। पीडिता का यह भी आरोप है कि जानकारी होने पर जब वह पूछताछ के लिए आरोपी के घर गयी तो उसके भाई व पिता ने उसे गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। कोतवाल कमलेश पाल का कहना है कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

नगर पालिका ने रैली निकालकर नागरिकों को किया जागरुक

सफाई स्वच्छता पखवाड़ा के तहत हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शासन व अध्यक्ष नगर पालिका प्रेमलता सिंह तथा अधिशासी अधिकारी मुदित सिंह के निर्देश के क्रम में नगर पालिका बेला परिषद प्रतापगढ़ के द्वारा स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के तहत वृहद स्तर पर काशीराम कॉलोनी मलीन बस्ती मे सफाई स्वच्छता पखवाड़ा का कार्यक्रम चलाया गया। आसपास के क्षेत्रों में रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन के डीपीएम वरुण कुमार सिंह ने कूड़ा के पृथक्करण के बारे में बताएं सूखा कूड़े को नीले डिब्बे में तथा नील कूड़े को हरे डिब्बे में कैसे अपने घर में अलग किया जा सकता है। जिला समन्वयक आशीष मिश्रा ने डोर टू डोर संपर्क करते हुए साफ-सफाई अपने परिसर के आसपास कैसे किया जाए इसके बारे में बताया। नगरपालिका कर्मचारियों ने एंटी लार्वा का छिड़काव तथा हाइपोक्लोराइट का छिड़काव किया उक्त सभी कार्यक्रमों का नेतृत्व संतोष कुमार सिंह सफाई एवं खाद्य निरीक्षक व लाल बहादुर राजस्व निरीक्षक के देखरेख में संपन्न हुआ। कांशीराम कॉलोनी के पास स्थित श्रेया अकेडमी में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में बताया गया तथा बच्चों को बिस्कुट और चॉकलेट वितरित किया गया। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक राजेश बिंद, प्रशांत कुमार सिंह सफाई प्रभारी, राजेंद्र यादव अन्य कर्मचारी उपलब्ध रहे।

कांशीराम कालोनी में रैली निकाले नगर पालिका के कर्मचारी व अधिकारी

मनगढ़ के भक्ति धाम मंदिर की सीढ़ियों पर बैठे छात्र-छात्राए

सुधिता इंटरनेशनल स्कूल ने बच्चों को कराया शैक्षणिक भ्रमण

माता शीतला देवी धाम व कृपाल मंदिर का कराया दर्शन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बाल दिवस के रूप में मनाया जाने वाले भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवम बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू के जन्मदिवस पर बी एल सुधिता इंटरनेशनल स्कूल विश्वनाथगंज ने बच्चो को शैक्षणिक भ्रमण का तोहफा दिया। शैक्षणिक भ्रमण के लिए बच्चों को पहले कटरा स्थित माता शीतला देवी धाम में जाया गया। वहां दर्शन के बाद सभी बच्चे मनगढ स्थित कृपालु महराज द्वारा निर्मित सुप्रसिद्ध भक्ति धाम भगवान राधा कृष्ण की मंदिर के लिए निकले। वहां बच्चों ने राधे राधे और हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की जयकारों के साथ खूब मौज मस्ती की। बच्चो को मंदिर परिसर की तरफ से बाल दिवस के तोहफे के तौर पर एक एक बिस्किट का पैकेट प्रदान किया गया। बच्चो ने इस शैक्षणिक भ्रमण का जमकर आनंद लिया और अध्यापकों से वहा के बारे में जरूरी बाते भी जानी। निर्देशक रामजी लाल जायसवाल और श्यामजी लाल जायसवाल ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण से बच्चो के मानसिक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और वो तेजी से सीखते है। प्रबंधक हिमांशु जायसवाल ने सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं प्रदान की। इस मौके पर प्रधानाध्यापक मोहित पांडे, आदर्श जायसवाल, खुशबू पांडे, आदर्श पांडे, अनुष्ठा सिंह, महेंद्र, सेजल, मुस्कान, बबिता, रिचा, आदि लोग मौजूद रहे।

शिक्षा के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए खेल प्रतियोगिताएं जरूरीः एसडीएम

रामकृपाल मिश्र इंटरमीडिएट कालेज में शुरू हुआ चार दिवसीय खेल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के सगरा सुंदरपुर स्थिति रामकृपाल मिश्र इंटरमीडिएट कॉलेज एवं चिल्ड्रन पैराडाइज में चार दिवसीय खेल महोत्सव का शुभारंभ उपजिलाधिकारी एवं सीओ ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस दौरान एसडीएम सौम्य मिश्र ने कहा की छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होता है, जिसके लिए इस प्रकार की खेल की प्रतियोगिताएं उनके जीवन में उन्हें आगे बढ़ने में सहायक होती हैं।उप जिलाधिकारी ने बच्चों से आह्वान किया कि आप जीते या हारे किंतु सदैव जब भी आपको अवसर मिले प्रतियोगिता में प्रतिभाग अवश्य ले। इससे आपका हौसला बढ़ेगा और आपको जीतने की ललक पैदा होगी। साथ रहे पुलिस क्षेत्राधिकारी रामसूरत सोनकर ने कहा कि आज का परिवेश बच्चों के चतुमुर्खी विकास के साथ ही सफलता की सीढ़ी की ओर ले जाता है ,उन्होंने कहा की छात्र-छात्राओं के जीवन में खेलों का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान है।आज खेल के क्षेत्र में लोग राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रोशन कर रहे हैं।खेल के रास्ते प्रशासनिक सेवा के दरवाजे भी छात्रों के लिए खुलते हैं। स्वागत भाषण विद्यालय के प्रबंधक आदर्श मिश्र ने करते हुए विद्यालय के विविध आयोजन पर प्रकाश डाला और कहा कि विद्यालय के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयत्नशील है। विद्यालय के प्रधानाचार्य विकास मिश्र ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। महोत्सव के पहले दिन छात्राओं का खासा दबदबा रहा खो-खो कबड्डी के साथ ही बनाना रेस, लेमन रेस,रूमाल झपट्टा में भी छात्राओं ने बाजी मारी। सीनियर वर्ग में कबड्डी में कक्षा 10 के छात्रों ने कक्षा 9 के छात्रों को करारी शिकस्त दी। म्यूजिक चेयर में जूनियर वर्ग के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर सफलता हासिल की। इस अवसर पर अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश शुक्ल, संयुक्त आयुक्त संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, सुरेश मिश्र मदन, जाकिर अली, ध्रुव नारायण मिश्र, चतुर्भुज मिश्र, अंकुर सिंह, शमशाद खान, संजीव त्रिपाठी, सरोज सिंह आदि मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि को सम्मानित करते आयोजकगण।

उपद्रवियों ने दुकान में तोड़फोड़ कर की लूटपाट, लोगों में मचा हड़कम्प

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। हथिगवां थाना क्षेत्र के पुरनेमऊ चैराहे पर मंगलवार की सुबह दर्जनों की संख्या में लाठी डण्डा से लैस उपद्रवियों ने अरविंद शुक्ला की ऑटो पार्ट्स की दुकान में तोड़ फोड़ करते हुए मारपीट किया दिन दहाड़े ऑटो पार्ट्स की दुकान पर हमलावरों का तांडव जारी रहा जिसे देख आस पास के लोग सहम गए। पीड़ित दुकानदार अरबिन्द शुक्ला ने बताया कि दुकान में रखा 30 हजार रुपया नगदी व मेरे गले मे सोने की जंजीर व मोबाइल लूट ले गए दूकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। आस पास के लोगो ने किसी तरह हिम्मत जुटाकर उपद्रवियों को खदेड़ा तब जाकर ब्यापारियों को राहत मिली घटना का कारण पता नहीं चल सका कि आखिर दिन दहाड़े इतना दुस्साहस किस बात को लेकर उपद्रवियों ने किया। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। मौके पर पहुची पुलिस घटना की जांच पड़ताल के साथ सीसीटीवी के फुटेज की जांच मे जुटी हुई है। घटना की तहरीर पीड़ित दुकानदार ने पुलिस को दी। उधर पीड़ित दुकानदार का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई करने की जगह समझौता करने में लगी हुई है। इस बाबत हथिगवां प्रभारी का कहना है कि घटना की सीसीटीवी फुटेज में देखकर चिन्हित किया जा रहा है। हमलावर बख्शे नहीं जाएंगे।

48 घंटे बाद मिली युवक की लाश

प्रतापगढ़। सई नदी में डूबे एक युवक की 48 घंटे की मशक्कत के बाद लाष मिली। बता दें कि दिलीपपुर थाना क्षेत्र के मो0 कुद्दूस का पुत्र शहरे आलम रविवार को सई नदी में नहाने गया था। इस दौरान वह सई नदी में डूब गया। आसपास के लोगों ने घर पर सूचना दी। इस दौरान शहरे आलम की तलाश की जाने लगी। 48 घंटे बाद मंलवार की सुबह 10 बजे कड़ी मशक्कत के बाद एनडीआरफ की टीम और दिलीपपुर थानाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह की टीम द्वारा शव बरामद हुआ।

ग्राम पंचायत रांकी के प्रधान पद को एसडीएम ने किया रिक्त

नामांकन पत्र में असत्य कथनों को लेकर दायर था वाद

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। एसडीएम न्यायालय में नामांकन व शपथ पत्र में असत्य कथनों का उल्लेख करने वाले प्रधान के विरूद्ध गांव के एक व्यक्ति ने वाद दायर किया था। अधिवक्ता की दलील सुनने के बाद ग्राम पंचायत के प्रधान पद को रिक्त कर दिया। उपजिलाधिकारी ने आदेश की प्रति को कार्रवाही हेतु डीएम समेत उच्चाधिकारियों को भेज दी।

सांगीपुर विकास खंड के रांकी गांव निवासी रवींद्र ने गांव के प्रधान के विरूद्ध एसडीएम कोर्ट में लगभग दस माह पूर्व वाद दायर किया था।आरोप था की मौजूदा प्रधान राम आधार ने जो नामांकन पत्र दाखिल किया था उसमे व शपथ पत्र में असत्य कथनों का उल्लेख करते हुए सत्यता को छुपाया था। साथ ही वादी ने यह भी कहा है कि निवर्तमान प्रधान वर्ष 2000 - 2005 में प्रधान रह चुका है जिस पर लाखो का सरकारी धन गमन का भी आरोप लग चुका है।इस प्रकार वादी के अधिवक्ता शहजाद अंसारी की दलील को सुनते हुए एसडीएम सौम्य मिश्र ने राकी ग्राम पंचायत के प्रधान पद को रिक्त कर दिया।उपजिलाधिकारी ने संबंधित आदेश की प्रति को कार्रवाही हेतु डीएम समेत उच्चाधिकारियों को भी भेज दी। अब इस हाल में गांव के विकास कार्य को डीपीआरओ की

अधिवक्ता की दलील सुनने के बाद दिया फैसला

निगरानी में गांव की तीन सदस्यीय टीम देखेगी।उधर वादी के अधिवक्ता शहजाद अंसारी ने बताया कि यदि एपीलेट कोर्ट द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के आदेश पर स्थगन नही मिला तो छः माह के अंदर चुनाव भी हो जायेगा।इस बात को लेकर क्षेत्र में हड़कंप सा माहौल रहा।

दुर्घटना में घायल युवक का उपचार के दौरान मौत

परियावां, प्रतापगढ़। महेशगंज थाना क्षेत्र के बैरागीपुर (फतुहाबाद) निवासी विजय मौर्य मुन्ना (35) वर्षीय 16 अक्टूबर को अपनी पत्नी को यूपी पेट पेपर की परीक्षा दिलाने जौनपुर मोटरसाइकिल से जा रहे थे कि रास्ते मे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया जिससे गम्भीर रूप से विजय घायल हो गए जहां उपचार के दौरान विजय की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

खेत में रंगरेलियां मना रहे प्रेमी युगल को ग्रामीणों ने दबोचा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के अंतू थाना क्षेत्र के संग्रामपुर गांव में एक खेत में रंगरलियां मनाते एक युगल को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जाता है कि किशोरी अपने घर से कोचिंग जाने के बहाने निकली थी। दोनों के अलग-अलग समुदाय के होने से ग्रामीणों में रोष है। बताया जाता है कि प्रेमी प्रतापगढ़ और प्रेमिका अमेठी जिले के रहने वाली है। पुलिस प्रेमी युगल को पकड़कर थाने ले जाकर परिजनों को बुलाकर मामले को सुलझाने का प्रयास कर रही है।

संसार में आदर्श पुरुष एवं आदर्श नारियों के निर्माण में नस्ल सुधार जरूरीः डॉ० मसूद

मानवता का पुरस्कार अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड से नवाजे गए छात्र-छात्राएं

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शारदा संगीत महाविद्यालय के सभागार में सोमवार को छात्र-छात्राओं के साथ समाज के अन्य लोगों को मानवता का पुरस्कार अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड (सम्मान पेंशन) से विभूषित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय मानवतावादी सामाजिक संघ के संरक्षक सदस्य लाइफ केयर हास्पिटल के प्रबंधक डॉ० सैयद मसूद मुजफ्फर ने कहा कि समाज को समान रूप से सभी के लिए जीवन जीने के योग्य बनाने हेतु मौजूदा पीढी के साथ आने वाली नस्लों का सुधार जरूरी है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ० दयाराम मौर्य रत्न ने कहाकि मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही सद्विचारों की ओर प्रवृत्त होता है। अम्मा साहेब ट्रस्ट के ट्रस्टी आनन्द मोहन ओझा ने कहा कि समाज को पुरानेपन से निकालकर नवीनता की ओर ले जाने वाले प्रयत्नों का किसी भी रूप में असहयोग करने के साथ उसका विरोध करने वाले नहीं जानते हैं कि उनकी ईर्ष्या का मुख्य कारण उनकी मूढ़ता (अज्ञानता) ही है। जिन छात्र-छात्राओं को सम्मान पेंशन की विस्तृत फाइल सौंपी गयी उनमें मुख्य रूप से शारदा संगीत महाविद्यालय की छात्राएं क्रमशः कु० नंदिनी श्रीवास्तव (निवासी जी०जी०आई०सी० के पीछे, प्रतापगढ़), कु० कोमल देवी (निवासी खाखापुर, कहला, रानीगंज, प्रतापगढ़), कु० आँचल सिंह (निवासी बरहुआ भोजपुर, सराय मुरार सिंह, मानधाता, प्रतापगढ़), कु० प्रज्ञा श्रीवास्तव (निवासी टक्करगंज, सिनेमा रोड, प्रतापगढ़), मो० रियाजुद्दीन (निवासी महुआर, कादीपुर, प्रतापगढ़), लव सिंह गहलोत (निवासी कसेरुआ, दुगार्गंज, रानीगंज, प्रतापगढ़) एवं अनुज कुमार पाण्डेय (निवासी भंगवा, पूरेनासिंह भान, प्रतापगढ़) शामिल रहीं। कार्यक्रम का संचालन शारदा संगीत महाविद्यालय के छात्र वैभव पाण्डेय एवं प्रभाकर पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

शारदा संगीत महाविद्यालय में सम्मान पेंशन से सम्मानित छात्र-छात्राएं।

बार का उद्देश्य न्यायपालिका की सुचिता मजबूत बनाने में होनी चाहियेः प्रमोद तिवारी

अधिवक्ता सम्मान समारोह में विधायक मोना व एमएलसी ने सौंपी अधिवक्ता शेडो की सौगात

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय तहसील परिसर में मंगलवार को संयुक्त अधिवक्ता संघ के तत्वाधान में विधिक क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए विधिवेत्ताओं को सम्मानित किया गया। अधिवक्ता सम्मान समारोह का शुभारंभ राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना व शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम में स्थानीय तहसील एवं दीवानी के अधिवक्ताओं के साथ गौरीगंज, अमेठी, रायबरेली, सुल्तानपुर तथा पडोसी कुण्डा एवं जिला मुख्यालय के भी अधिवक्ताओं का सारस्वत सम्मान खासे आकर्षण मे दिखा। बतौर मुख्य अतिथि सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका दुनिया के न्यायिक प्रणाली मे इसलिए सर्वश्रेष्ठ है कि भारत का न्याय पीड़ित को पूर्ण न्याय दिलाये जाने की सर्वश्रेष्ठ क्षमता व पारदर्शिता तथा सुचिता के सिद्धांतो को प्रतिपादित करने में भी पूर्ण सफल व खरा साबित हो रहा है। अध्यक्षता करते हुए क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि न्याय प्रणाली में मजबूती बनाये रखने के लिए अधिवक्ताओं को अपने मिशन के तहत समाज के दुख दर्द के निवारण में बड़ी भूमिका के निर्वहन की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने कहा कि अधिवक्ता समाज के अधिकार तथा अन्याय एवं अत्याचार के खिलाफ संघर्ष का सजग प्रहरी है। सिविल जज कुंवर दिव्यदर्शी एसडीएम सौम्य मिश्र तथा सीओ रामसूरत सोनकर, ईओ पदमजा मिश्रा, बीडीओ अश्विनी सोनकर ने भी अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। समारोह का संचालन बार के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल एवं विकास मिश्र ने संयुक्त रूप से किया।

वरिष्ठ अधिवक्ता को अधिवक्ता सम्मान प्रदान करते सांसद प्रमोद तिवारी व मोना

भगवान श्रीराम के प्रति मंत्री का बयान दुर्भाग्यपूर्णः प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने मंगलवार को यहां प्रदेश सरकार के एक कैबिनेट मंत्री द्वारा मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम को लेकर दिये गये आपत्तिजनक बयान को करोड़ों भारतीयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला आपत्तिजनक बयान करार दिया है। लालगंज में विविध कार्यक्रमों मे शामिल होने पहुंचे सांसद प्रमोद तिवारी ने मीडिया से रूबरू हो कहा कि प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ने मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम को राजा दशरथ का तथाकथित पुत्र बताते हुए बयान में बताया है कि भगवान श्रीराम के असली पिता श्रृंगी ऋषि हैं। श्री तिवारी ने कहा कि कैबिनेट मंत्री का यह बयान अत्यन्त आपत्तिजनक एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मंत्री से अपने इस अशोभनीय और अपमानजनक बयान के लिए खेद व्यक्त करते हुए फौरन माफी मांगे जाने की मांग की है।

कोषाध्यक्ष के निधन पर उपजा ने व्यक्त की संवेदना, दी श्रद्धांजलि

प्रतापगढ़। यू.पी. जर्नलिस्ट एसोसिएशन प्रतापगढ़ के कोषाध्यक्ष हरिनाथ मिश्र के आकस्मिक निधन पर शहीद उद्यान में जिलाध्यक्ष अखिल नारायण सिंह की अध्यक्षता में शोकसभा हुई। शोकसभा मे उपस्थित लोगों ने सम्वेदना व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। संचालन महामंत्री डॉ. अमित कुमार पाण्डेय ने किया। इस दौरान सन्तोष भगवन, हरीश सैनी, डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा, राम नेवाज पाल, आरबी सिंह, डॉ. चंद्रेश सिंह ध्रुव, गिरीश पाण्डेय, अरुण सिंह, अहमद रजा, विनय शर्मा आदि ने स्वर्गीय मिश्र के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

झाड़ू लेकर सफाई कर्मियों ने अस्पताल में लगाया जाम

आठ माह से वेतन न पाने वाले सफाई कर्मी हैं हड़ताल पर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विगत चार दिनों से जिला अस्पताल सम्बद्ध राजकीय मेडिकल कालेज के सफाई कर्मी अपने वेतन की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं जिससे अस्पताल में गंदगी व कूड़ा का अम्बार लग गया है। सफाई कर्मियों का आरोप है कि उन्हें आठ माह से वेतन नहीं मिला है। मंगलवार को सफाई कर्मी हाथों में झाड़ू लेकर मेडिकल कालेज से सम्बद्ध प्रताप बहादुर जिला अस्पताल पहुंचे और झाड़ू खड़ा करके जाम लगा दिया। उनका कहना है कि बार-बार मांग करने पर भी उनका वेतन नहीं दिया जा रहा है। जबकि राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा0 आर्य देष दीपक नवम्बर माह में एक माह का वेतन देने की बात कह रहे हैं। शेष भुगतान बजट आने पर दिया जाएगा लेकिन सफाई कर्मियों को यह पेषकष नहीं मंजूर हुई। यही कारण है कि सफाई कर्मी और अस्पताल प्रषासन में टकराव बना हुआ है और सफाई कर्मी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर डटे हुए हैं।

अतिरिक्त मजिस्ट्रेट ने अधिकारियों के साथ की नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन की बैठक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। अतिरिक्त मजिस्ट्रेट राजेश श्रीवास्तव द्वारा उदयन सभागार में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए नियुक्त प्रभारी अधिकारियों सहायक प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक की बैठक में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट ने नियुक्त सभी प्रभारी अधिकारियों सहायक प्रभारी अधिकारियों से कहा कि सौंपे गये दायित्वों एवं कार्यों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल सम्पन्न कराने में अपना अहम योगदान करें नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी को मतदान मतगणना कार्मिक प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रभारी तथा जिला विकास अधिकारी विजय कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र जिला बेसिक शिक्षाधिकारी प्रकाश सिंह व जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनोज कुमार यादव को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है इसी प्रकार अपर जिला मजिस्ट्रेट जयचन्द्र पाण्डेय व अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर को शान्ति व्यवस्था एवं चुनाव आदर्श संहिता का प्रभारी तथा समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है।

उप जिलाधिकारी (न्यायिक) दीपेन्द्र यादव को यातायात व्यवस्था ईंधन व्यवस्था का प्रभारी तथा सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी तारकेश्वर मल्ल एवं जिलापूर्ति अधिकारी अमित कुमार तिवारी को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है। जिला पंचायत राज अधिकारी डॉ0 बालगोविन्द श्रीवास्तव को लेखन सामग्री एवं मतदान मतगणना मतपेटिका किट व्यवस्था का प्रभारी सीबी सिंह सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) कमलाकान्त मिश्र एवं सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को सहायक प्रभारी जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को सांख्यकीय सूचना कम्युनिकेशन प्लान मानचित्र तथा सम्बन्धित निर्वाचन अधिकारी अपर सांख्यिकीय अधिकारी अजय कुमार राम सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी तथा जितेन्द्र कुमार यादव को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार जिला सूचना अधिकारी रवि कुमार जायसवाल को प्रचार-प्रसार एवं मीडिया का प्रभारी तथा प्रचार सहायक विनोद कुमार पाल को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है सम्बन्धित उप जिलाधिकारी सम्बन्धित तहसीलदार सम्बन्धित निर्वाचन अधिकारी (नगरीय निकाय) को मतदाता सूची की कार्य प्रतियॉ तैयार करने का प्रभारी व सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को सहायक प्रभारी तथा सहायक महानिरीक्षक निबन्धन बिजेन्द्र कुमार यादव जिला आबकारी अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद को प्रेक्षक व्यवस्था व सहायक अभियंता सौरभ चतुर्वेदी को लाइजेन ऑफिसर का प्रभारी व सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है समस्त अधिशासी अधिकारी को सहायक प्रभारी तथा मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुष्पेन्द्र को चिकित्सा व्यवस्था एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं तथा मेडिकल किट का प्रभारी व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को डॉ0 हिन्द प्रकाश मणि व सम्बन्धित

निर्वाचन की बैठक करते अतिरिक्त मजिस्ट्रेट।

निर्वाचन की बैठक में उपस्थित विभिन्न विभाग के अधिकारी।

बाल विकास परियोजना अधिकारी को सहायक प्रभारी जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को सांख्यकीय सूचना कम्युनिकेशन प्लान मानचित्र तथा सम्बन्धित निर्वाचन अधिकारी अपर सांख्यिकीय अधिकारी अजय कुमार राम सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी तथा जितेन्द्र कुमार यादव निर्वाचन अधिकारी सहा0 निर्वाचन अधिकारी नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2022 अतिरिक्त जिला सूचना विज्ञान अधिकारी रवीन्द्र कुमार जायसवाल ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर कीर्त कुमार को नामांकन पत्रों का विक्रय प्राप्ति एवं ऑनलाइन अपलोडिंग का प्रभारी व सम्बन्धित प्रभारी चिकित्साधिकारी नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत को सहायक प्रभारी तथा जिला पंचायत राज अधिकारी डॉ बाल गोविन्द श्रीवास्तव को श्रमिक व्यवस्था का प्रभारी व श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री महन्थ प्रजापति को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग हरवंश सिंह अधिशासी अभियंता विद्युत अंकित यादव को टेन्टेज फर्नीचर बैरीकेडिंग ध्वनि विद्युत व्यवस्था का प्रभारी व उपखण्ड अधिकारी विद्युत मंझनपुर धीरज यादव उपखण्ड अधिकारी विद्युत सिराथू प्रभात कुमार उपखण्ड अधिकारी विद्युत चायल अशोक कुमार, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग मदन मोहन मिश्रा को सहायक अधिकारी तथा वरिष्ठ कोषाधिकारी मनोज को मतदान मतगणना कार्मिक को भत्ता वितरण उम्मीदवारों व्यय लेखों की जॉच का प्रभारी व वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा विभाग विनय कुमार, वित एवं लेखाधिकारी कृषि प्रवीण कुमार सिंह, वित एवं लेखाधिकारी जिला विकास विमल राज को सहायक प्रभारी तथा जिला पूर्ति अधिकारी अमित कुमार तिवारी को भोजन एवं जलपान व्यवस्था का प्रभारी व सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी सम्बन्धित पूर्ति निरीक्षक को सहायक प्रभारी तथा जिला पंचायत राज अधिकारी डॉ बाल गोविन्द श्रीवास्तव वीडियोग्राफी सीसीटीवी कैमरा का प्रभारी तथा सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को सहायक प्रभारी तथा अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग मदन मोहन मिश्रा व सम्बन्धित अधिशाषी अधिकारी को सहायक प्रभारी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र जिला बेसिक शिक्षाधिकारी प्रकाश सिंह को रूट चार्ट बूथ निर्माण रैम्प छाया विद्युत एवं आधारभूत सुविधाओं का प्रभारी तथा सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी सहायक अधिकारी अधिशासी अभियंता विद्युत अंकित यादव व सम्बन्धित तहसीलदार को सहायक प्रभारी एवं प्रधानाचार्य आईटीआई एमएम शुक्ला आईटीआई केके राम व ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर कीर्त कुमार को कम्प्यूटर एवं नेट कनेक्टविटी व्यवस्था का प्रभारी अधिकारी व सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मनोनित शिक्षकगण।

बेसिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन की ब्लॉक कार्यकारिणी का हुआ गठन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। बेसिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन की एक बैठक सोमवार को जिला मुख्यालय मंझनपुर के संगठन कार्यालय में आयोजित की गयी बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष संस्थापक डा. महेन्द्र यादव ने की जिसमे ब्लॉक कार्यकारिणी का विस्तार किया गया सर्वसम्मति से मंझनपुर ब्लाक अध्यक्ष संदीप चौधरी मंझनपुर ब्लाक मंत्री प्रदीप चौधरी और सिराथू ब्लाक संयोजक मनोज कुमार सिराथू ब्लाक अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार कड़ा ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप त्रिपाठी नेवादा ब्लॉक अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार मूरतगंज ब्लॉक अध्यक्ष उमेश चौधरी का मनोनयन किया गया है मनोनीत पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया गया इस मौके पर संगठन के संरक्षक वीरेन्द्र कुमार निर्मल संयोजक विनोद कुमार यादव जिलाध्यक्ष रवीन्द्र प्रताप सिंह प्रदेश सलाहकार प्रखर नरेश मंडल अध्यक्ष धीरज सिंह ब्लॉक कौशाम्बी अध्यक्ष अजय यादव , बेसिक शिक्षक परिवार से नागेश सिंह , महेन्द्र सिंह प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं भारी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

भारी संख्या में 25 नवंबर को लखनऊ रवाना होगे किसान

मंझनपुर तहसील प्रांगण में बैठक कर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक नेताओं ने बनाई रणनीति

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। लखनऊ में आयोजित होने वाली किसान रैली की तैयारी के लिए मंगलवार को मंझनपुर तहसील प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक नेताओं ने बैठक कर रणनीति बनाई है आगामी 25 नवंबर को लखनऊ की रैली में सैकड़ों किसान शामिल हो होंगे बैठक के दौरान किसान नेताओं ने कहा कि टोपी बिल्ला लाठी और परिचय पत्र लेकर लखनऊ चलना होगा झोले में खाना रख लीजिए गाड़ी फ्री होगी बैठक के दौरान किसान नेताओं ने कहा कि चाहे पूरा गांव जाए और चाहे पूरा जिला जाए गाड़ी में भाड़ा फ्री होगा इस मौके पर उपस्थित तमाम किसानों ने सरकारी योजनाओं के समस्या की बात रखें किसानों ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ विभागीय अधिकारियों के कारनामों के चलते समय से किसानों को नहीं मिल पाती जिससे किसान परेशान होते हैं इस मौके पर किसानों की तमाम समस्याओं गरीब वृद्धा पेंशन किसान सम्मान निधि राशन कार्ड में छूटे हुए नाम व वरासत में नाम दर्ज कराने गरीबों का घर गिरने दैवीय आपदा बाढ़ से नुकसान फसल का मुआवजा न मिलने पर चर्चा करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि अधिकारियों को पूर्व में कई बार अवगत कराने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हो सका है यदि समय रहते अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो मजबूर किसान कार्यकर्ता समस्याओं के समाधान के लिए सड़कों पर उतरने के लिए विवश होगा बैठक की अध्यक्षता मंझनपुर तहसील अध्यक्ष सुषमा तिवारी ने किया इस मौके पर जिला प्रवक्ता चंद्र भूषण वर्मा संतोष सिंह यादव माया देवी बच्चा लाल राजरानी भैयालाल धुरिया धरमराज तिवारी छोटन तिवारी अवधेश कुमार सुंदर लाल सुनीता देवी गीता देवी चंद्र भूषण सिंह योगेंद्र प्रताप सिंह सहित तमाम किसान मौजूद रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे।

डी डी कॉन्वेंट स्कूल में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू चाचा नेहरू के जन्मदिवस बाल दिवस के अवसर पर डी0डी0कॉन्वेंट स्कूल केन कानेमई में स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा बाल दिवस को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया है विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर लोगों का मन मोह लिया है विद्यालय के प्रधानाचार्य यस0बी0सिंह ने पं0 जवाहर लाल नेहरु की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुये उनके व्यक्तिव एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला` इस क्रम में फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में मोहम्मद आरिज सिद्दीकी को प्रथम,देवांशी सिंह को द्वितीय तथा शशांक पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ` तत्पश्चात बाल दिवस के अवसर पर बाल मेला का आयोजन किया गया` इस कार्यक्रम के अवसर पर नरेन्द्र कुमार,शिवम केशरवानी,दिवाकर त्रिपाठी,बालेन्द्र कुमार,पल्लवी सिंह,मोहिनी सिंह,पूजा द्विवेदी,साधना मौर्य आदि शिक्षक एवं छात्र छात्राएँ उपस्थित रहें।

महामाया राजकीय महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता का किया गया आयोजन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। निदेशक उच्च शिक्षा के आदेश के अनुपालन में महामाया राजकीय महाविद्यालय ओसा परिसर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता प्रतियोगिता के अंतर्गत निबंध , पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया निबंध प्रतियोगिता में प्रियंका सिंह प्रथम अंकिता ओझा द्वितीय एवं अमन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया पोस्टर प्रतियोगिता में विभा पांडे प्रथम स्थान पर कृतिका पांडे द्वितीय स्थान पर एवं आयुषी केसरवानी तृतीय स्थान पर रही।

इस प्रकार सड़क सुरक्षा जागरूकता क्विज प्रतियोगिता में नितिन केसरवानी प्रथम जया त्रिपाठी ,अमृतलाल , तिलक वर्मा संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर तथा भावना पांडे एवं हेमंत कुमार संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया इस अवसर पर डॉ विनय कुमार सिंह प्राचार्य , महामाया राजकीय महाविद्यालय ,कौशांबी ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा आजकल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि सड़क पर वाहनों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है और यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम यातायात नियमों और कानूनों का पालन करें और सड़क दुर्घटनाओं से खुद को और अपने परिवारों को बचाएं। अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा नियमों से अवगत कराना हमारी सड़कों को सुरक्षित बना सकता है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ अजय कुमार ने कहा कि वाहन चलाते तथा सवारी के वक्त सीट बेल्ट पहनना, हेलमेट लगाना जैसे सुरक्षा उपायों को अपनायें। वाहन चलाते वक्त मेकअप करना, बाल सवारना या फोन पर बात करने जैसे कार्य ना करें। सदैव यातायात नियमों का पालन करें। वाहन की गति पर नियंत्रण रखे इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार, डॉ0भावना केसरवानी, डॉ0 नीलम बाजपेई ,डॉ0 पवन कुमार , डॉ अमित कुमार शुक्ल आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

महामाया राजकीय महाविद्यालय के कार्यक्रम में उपस्थित छात्र

रोजगार मेले का आयोजन 18 नवम्बर को

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। कौशल विकास मिशन, राजकीय आईटीआई एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय बृहद रोजगार मेले का आयोजन 18 नवम्बर 2022 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मंझनपुर के परिसर में किया जाएगा रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की लगभग 25 से 30 कंपनियां प्रतिभाग करेंगी, इसके लिए न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण एवं आईटीआई डिप्लोमा उत्तीर्ण तथा कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी 18 नवम्बर को प्रातः 10 बजे अपने समस्त शैक्षिक अंकपत्रों एवं प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं।

बाल दिवस के उपलक्ष में बच्चों ने किया नाट्य

सरकारी स्कूल के कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिला मुख्यालय से सटे उच्च प्राथमिक विद्यालय समदा में बाल दिवस अर्थात भारत देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया है शिक्षकों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया है बाल दिवस के उपलक्ष्य में स्कूल के छात्र छात्राओं ने अनेकानेक नाट्य प्रस्तुत किए जिसकी लोगों ने भूरि भूरि प्रशंसा की बाल दिवस के अवसर पर नाटक प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं में आलोचना देवी ,राजकुमारी, अल्तमस, प्रिया, विकास, अली मेहंदी ,शैद ,रिया, प्रीति और नीतिका आदि छात्र-छात्राओं ने महात्मा गांधी का किसी ने सुभाष चंद्र बोस का किसी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू का किसी ने रानी लक्ष्मीबाई का किसी ने मदर टेरेसा का रोल निभाया विद्यालय के प्रधानाध्यापिका ने उत्साहित होकर छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन राशि भी वितरित किया और साहन राशि पाने के बाद छात्र छात्राएं खुशी नजर आते हुए दिखे।

पशु चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के अँधावा के कोरीपुर गांव में मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना के अंतर्गत पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया पशु चिकित्सा शिविर में तमाम पशुओ की जांच कर उनके निदान के लिए उन्हें दवा वितरित किया गया पशु चिकित्सा शिविर के दौरान पूर्व विधायक लाल बहादुर ने पशुओं की पूजा की और उन्हें गुड़ चना खिलाया इस मौके पर खंड विकास अधिकारी सरसवा ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी पशुपालकों को दी पशु विभाग से जुड़े तमाम योजनाओं पर अधिकारियों ने चर्चा की पशु चिकित्सा शिविर के दौरान मेले में स्टाल लगाए गए थे जिसके माध्यम से पशुओं के रोग से निदान के बारे में पशुपालकों को पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई है और पशुओं के इलाज के लिए दवाएं दी गई हैं इस मौके पर बृजेश मिश्रा दिनेश सिंह जागेश्वर सिंह किशन प्रसाद चौधरी ग्राम प्रधान नरेंद्र पटेल विमलेश मिश्रा पिंटू तिवारी दूधनाथ मिश्रा मनीष चौधरी शिवसागर चौधरी एडीओ पंचायत सहित पशु चिकित्सा अधिकारी की टीम मौजूद रही।

पशु मेला में लगाई गयी प्रदर्शनी।

जिला स्तरीय चतुर्थ कला,क्राफ्ट एवं पपेट्री प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंझनपुर परिसर में उप शिक्षा निदेशक प्राचार्य अनिल कुमार के मार्गदर्शन नेतृत्व में जिला स्तरीय चतुर्थ कला,क्राफ्ट एवं पपेट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतियोगिता के नोडल कला प्रवक्ता राजेन्द्र भारतीय रहे। प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय विज्ञान, गणित शिक्षकों द्वारा कला क्राफ्ट एवं पपेट्री के माध्यम से किए गए शैक्षिक नवाचारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डायट में सुंदर, रंगीन व आकर्षक माहौल देखा गया।जिसमें जनपद के समस्त विकासखण्ड के प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया व अपनी सृजनात्मक व रचनात्मक कला का प्रदर्शन बहुत ही सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया शिक्षण प्रक्रिया में टी०एल०एम० का प्रयोग बहुत प्रभावी होता है।

प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी का चयन टी०एल०एम० बनाने में लगने वाला समय एवं सामग्री का प्रयोग कक्षा शिक्षण में प्रयोग लर्निंग आउटकम, नवीनता तथा वर्तमान समय में प्रासंगिकता के आधार पर किया गया प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार शिक्षकों का चयन करके राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् लखनऊ भेजा जाएगा एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता के स्क्रीनिंग व मूल्यांकन हेतु निर्णायक मण्डल समिति का गठन किया गया, जिसमें वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती भारती त्रिपाठी, सुश्री रिफत मलिक और अनिरुद्ध श्रीवास्तव ने निर्णायक की भूमिका निभाई। जनपद के चार शिक्षकों को चयनित किया गया, जिसमें अजय कुमार सिंह प्राथमिक विद्यालय गरौली, सरसवाँ भाषा में प्रथम स्थान, अभिनेन्द्र प्रताप सिंह प्राथमिक विद्यालय शाहपुर टिकरी,गणित में प्रथम स्थान, ममता यादव ,उच्च प्राथमिक विद्यालय समदा मंझनपुर गणित में प्रथम स्थान अनुज कुमार शर्मा उच्च प्राथमिक विद्यालय नादेमई कड़ा विज्ञान प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर डायट के प्रवक्ता संदीप तिवारी, विपिन कुमार, सुरेश मिश्रा, धीरज कुमार, डॉ0देवेश सिंह एवं कार्यालय स्टॉफ सहित प्रतिभागी शिक्षक उपस्थित रहें।

स्तरीय चतुर्थ कला प्रतियोगिता में उपस्थित शिक्षक और छात्र।

भवन्स मेहता विद्याश्रम में मनाया गया स्कूल का 47वां स्थापना दिवस

जूनियर और सीनियर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी में स्कूल का 47वां स्थापना दिवस एवं बालदिवस मंगलवार को बड़े उत्साह और धूमधाम तरीके से मनाया गया।सर्वप्रथम विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार श्रीवास्तव ने विद्यालय के संस्थापक गिरधारी लाल मेहता के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया।साथ ही साथ शिक्षक दिवस के मौके पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को माल्यार्पण किया।प्रधानाचार्य संजय श्रीवास्तव ने बताया कि भवन्स मेहता जिले का प्रथम और सबसे पुराना सीबीएसई विद्यालय है जो शिक्षा के क्षेत्र में पिछले 46 सालों से आज भी सर्वोपरि है।इस अवसर पर मेहता आडिटोरियम में प्रधानाचार्य संजय श्रीवास्तव ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और स्थापना दिवस कार्यक्रम शुरूआत करने से पहले दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत किया। प्राइमरी के बच्चों के बीच फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमे ज्यादा से ज्यादा बच्चों ने अपने बहुत ही मनमोहक और सुंदर कपड़े पहनकर अनेक तरह की नाटकीय प्रस्तुति दी इसके बाद जूनियर और सीनियर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य ने बाल दिवस और स्थापना दिवस के इस अवसर पर विद्यालय में पढ़ने वाले समस्त बच्चों को चाकलेट,टॉफी आदि बांटकर बाल दिवस और स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।संस्था के निदेशक संदीप सक्सेना ने अपने संदेश में समस्त बच्चों और मेहता परिवार के समस्त कर्मचारियों को विद्यालय के स्थापना दिवस एवं बाल दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं भेजी हैं। इस अवसर पर शिक्षक सुधाकर सिंह अवधेश मिश्रा अनिल मिश्रा राम सनेही श्रीवास्तव एवं राकेश सिंह सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

झूठ बोलकर पड़ोसी जनपद में नौकरी कर रहे है कोतवाल

जिले के तैनात कोतवाल नहीं मानते हैं डीजीपी के निर्देश
कम समय में अर्जित किया भ्रस्टाचार से अकूत संपत्ति

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि पड़ोसी जनपद में पुलिस कर्मी नौकरी नहीं करेंगे लेकिन जिले में तैनात तमाम पुलिसकर्मी ऐसे हैं जिन्हें डीजीपी के निर्देश की परवाह नहीं है और वह पड़ोसी जनपद में रहकर कई वर्षों से नौकरी कर रहे हैं बीते वर्ष अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज में भी पड़ोसी जनपद में नौकरी करने वाले पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण करने का निर्देश दिया था लेकिन उनके निर्देश के बाद भी तमाम पुलिसकर्मी विभाग को झूठी सूचना देकर पड़ोसी जनपद कौशांबी में अभी भी नौकरी कर रहे हैं पड़ोसी जनपद में तमाम पुलिस कर्मियों के नौकरी किए जाने के बाद उनका स्थानांतरण ना होने से डीजीपी के निदेर्शों की धज्जियां उड़ रही है डीजीपी के सख्त निर्देश के बाद मामले में झूठ बोल कर नौकरी करने वाले पुलिसकर्मियों पर एडीजी और आईजी भी कानून का पालन नहीं करा सके हैं बताया जाता है जिले में तैनात कोतवाल पड़ोसी जनपद प्रयागराज के रहने वाले हैं नियम विरुद्ध तरीके से वह कई वर्षों से कौशांबी में नौकरी कर रहे हैं एक कोतवाल ने तो अपनी पत्नी के नाम से पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग में करोड़ो कीमत की बेशकीमती जमीन भी खरीदा है जिसमे उसका निवास का पता प्रयागराज जिले के धूमनगंज थाना क्षेत्र में दर्शाए गए है पत्नी के नाम कौशांबी में जमीन खरीदने के बाद राजस्व अभिलेखों के मुताबिक यह प्रमाणित हो गया है कि वह प्रयागराज के रहने वाले हैं उसके बाद भी झूठ बोलकर कौशांबी में तैनाती पाने वाले कोतवाल को निलंबित करके उन पर विभाग को गुमराह करने का मुकदमा पुलिस अधिकारियों ने नहीं दर्ज किया है पुलिस अधिकारियों को गुमराह कर पड़ोसी जनपद में नौकरी करने वाले कोतवाल के कारनामे को आला अधिकारियों ने संज्ञान लिया तो कोतवाल की मुसीबत बढ़ सकती है।

संपादकीय

न्याय से उपजी नई बहस

-राजेश माहेश्वरी

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों को उनकी सजा समाप्त करते हुए रिहा करने के आदेश देश की सबसे बड़ी अदालत द्वारा दिए गए हैं। अदालत का मानना है कि 30 वर्ष की सजा के बाद राजीव गांधी के हत्यारों का आचरण जेल मैनुअल के हिसाब से उत्तम कहा जा सकता है। इसके बाद न्यायालय ने उन्हें रिहा करने के आदेश जारी किए हैं। इससे पहले भी भारत के महामहिम राष्ट्रपति के पास इन लोगों की दया याचिका विचारार्थ थी। राजीव गांधी की हत्या में शामिल नलिनी के आग्रह पर सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति से दया याचिका में फांसी की सजा को माफ किए जाने की अपील भी की थी।

सोनिया गांधी ने यह भी कहा था कि वह नलिनी को राजीव गांधी की हत्या के लिए माफ करती हैं। इन सभी घटनाक्रमों को देखते हुए भारत की सबसे बड़ी अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री के हत्यारों में से 6 को रिहा करने के आदेश दिए हैं। इस मामले में कुछ बरी भी हो चुके हैं। इससे बाद यह विषय एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। यहां सवाल यह उठाया जा रहा है कि क्या राजीव गांधी, श्रीमती सोनिया गांधी के पति के अलावा भी कुछ थे? क्या भारत के प्रधानमंत्री की हत्या हो जाने के बाद उसे पारिवारिक विषय बनाते हुए क्षमा कर देना उचित है?

मामले में शीर्ष अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत प्रदत्त विशेष विवेकाधीन शक्तियों का इस्तेमाल किया है, लेकिन सवाल उठता है कि विवेकाधीन शक्तियों का इस्तेमाल उन मामलों में क्यों, जहां पहले से ही कानून मौजूद है। मेरी राय में ऐसी शक्तियों का इस्तेमाल उन मामलों में किया जाना चाहिए जहां कानून स्पष्ट नहीं है या मौजूदा कानून से न्याय प्रभावित हो रहा हो। पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या के दो दोषियों को मृत्युदंड दिया गया था, जिनकी सजा को शीर्ष अदालत के पांच न्यायाधीशों की पीठ ने आजीवन कारावास में तब्दील कर दिया था, ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर एक ही अदालत की संविधान पीठों के फैसलों में भी एकरूपता क्यों नहीं है।

गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री हत्याकांड की जांच-पड़ताल सीबीआई के विशेष जांच दल ने की थी। टाडा अदालत में भी कानूनी प्रक्रिया चलाई गई थी। सर्वोच्च अदालत ने अंतिम निष्कर्ष दिया था। 21 मई, 1991 को चेन्नई के करीब श्रीपेरुंबुदूर शहर की एक राजनीतिक जनसभा में आत्मघाती मानव-बम ने हमला किया और पूर्व प्रधानमंत्री समेत 15 अन्य लोगों के भी चीथड़े उड़ गए। जिस्म चिंदी-चिंदी हो गए। राजीव गांधी की पहचान भी बहुत मुश्किल से की गई थी। जनवरी, 1998 में एक टाडा अदालत ने 41 आरोपितों में से 26 को सजा सुनाई। एक साल बाद सर्वोच्च अदालत ने उनमें से 19 हत्यारों को रिहा करने का फैसला सुनाया।

हत्यारों में से 4 की सजा-ए-मौत को सही आंका गया। अन्य 3 की सजा-ए-मौत को उम्रकैद में तब्दील कर दिया गया। वर्ष 2000 में तमिलनाडु राज्यपाल ने, राज्य सरकार की अनुशंसा और सलाह पर नलिनी की सजा-ए-मौत को माफी देकर उम्रकैद कर दिया। 2014 में सर्वोच्च अदालत ने तीन अन्य की मौत की सजा कम करके उम्रकैद कर दी। दलील दी गई कि उनकी दया याचिकाओं पर केंद्र सरकार ने फैसला लेने में असाधारण देरी की। इस आधार पर उनकी सजा कम कर दी गई। अंततः मई, 2022 को शीर्ष अदालत ने एजी पेरारिवलन की उम्र कैद भी माफ करके उसकी रिहाई की अनुमति दी और उसी आधार पर 6 शेष हत्यारों की सजा माफ करके रिहाई का फैसला सुना दिया गया। इस संदर्भ में तमिलनाडु सरकार ने जो भी प्रस्ताव पारित किए और कैदियों की मुक्ति का रास्ता तैयार किया, उसका विरोध किसी भी तमिल पार्टी ने नहीं किया। जो दल घोर राष्ट्रवाद की चिल्ला-चिल्ला कर राजनीति करते रहे हैं, वे भी इस मुद्दे पर खामोश रहे। उन्हें अच्छी तरह पता था कि इस हत्याकांड के पीछे विदेशी आतंकी संगठन लिट्टे की साजिश थी।

बहरहाल अब तो श्रीलंका में भी लिट्टे का अस्तित्व खत्म है, लेकिन सोच तो बरकरार है? यह विषय आखिरकार न्याय व्यवस्था को भविष्य के लिए किस प्रकार से प्रभावित करेगा देखना जरूरी है। यह सवाल भी अपने आप में सामयिक है कि कोई हत्या का अभियुक्त वह भी सहज हत्या का अभियुक्त न होते हुए प्रधानमंत्री की हत्या का अभियुक्त हो अपने आचरण के कारण सजा से मुक्त होने के की पात्रता रखता है? इन सवालों के उत्तर न केवल भारतीय राजनीतिक गलियारों में अपितु न्याय व्यवस्था की गलियों में भी मांगे जा रहे हैं।

भारत की न्याय व्यवस्था के संदर्भ में आज भी किसी प्रकार की आशंका का प्रश्न उत्पन्न नहीं होता। इसके बाद भी अनेकों अवसरों में यह लगता है कि न्यायपालिका कुछ रचनात्मक प्रयोग करने का प्रयास कर रही है। पिछले कुछ समय से सरकार के निर्णयों की समीक्षा संबंधी विषयों को भी इसी संदर्भ के साथ जोड़कर देखा जा सकता है। ठीक उसी प्रकार से भारत के प्रधानमंत्री के हत्यारों को उनके आचरण के कारण समय से पहले रिहा करने का यह प्रसंग भी न्यायपालिका के नए प्रयोगों के रूप में देखा जा रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय सम्भवतः मानता है कि एक अवधि तक की सजा काटने के बाद किसी को जेल में नहीं रहना चाहिए, तो उसे फिर उसे ये पैमाना सब पर लागू करना चाहिए। पंजाब और कश्मीर में आतंकवाद के आरोप में जेल में रखे गए लोग हों या उत्तर-पूर्व की चरमपंथी गतिविधियों और नक्सली हिंसा में शामिल रहे लोग- क्या उनके जुर्म एक पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या से ज्यादा संगीन हैं? अगर ऐसे तमाम मामलों के लिए न्याय और सजा पर समान नजरिया सामने नहीं आता है, तो यही माना जाएगा कि राजनीतिक माहौल के हिसाब से कुछ मामलों को चुन कर उनमें राहत देने का नजरिया हावी हो गया है। यह इस देश के भविष्य के लिए अच्छी बात नहीं होगी, अगर लोगों में न्यायिक फैसलों से ऐसी राय घर बनाने लगेगी। भारतीय न्यायपालिका ने खुद अपने फैसलों से भारतीय संविधान के मूल ढांचे की रक्षा की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली थी। मूल ढांच के साथ-साथ संविधान की मूल भावना भी अंतर्निहित है। यह भावना कानून के राज और सबसे समान बर्ताव का भरोसा जगाती है। क्या राजीव गांधी के हत्यारों को छोड़ने से यह भरोसा मजबूत हुआ है? सामान्यतया आम व्यक्ति को न्याय पाने के लिए ही बहुत पापड़ बेलने पड़ते हैं, वहीं दूसरी तरफ एक हाईप्रोफाइल मामले में अपराधियों के प्रति न्याय की दया का प्रदर्शन भी देखने को मिलता है। आने वाले समय में न्याय व्यवस्था में इस प्रकार के प्रयोगों का कितना लाभ होता है और कितने अपराधी अपने आचरण को समय से पहले सुधार पाते हैं यह गंभीरता पूर्वक देखने का विषय होगा। यदि न्याय व्यवस्था कोई गुणात्मक प्रयोग करना चाहती है तब हाई प्रोफाइल मामलों में और खासकर जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री जैसी हत्या शामिल हो वहां इन प्रयोगों में और अधिक सतर्कता की जरूरत है। अन्यथा हत्या के बाद आचरण सुधार के झूमे आम बात होने जैसी स्थिति हो सकती है।

न्याय के फैसलों का तार्किक आधार ही होता है, न कि भावनात्मक। वहीं यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि दंड का मतलब सुधारात्मक होता है न कि अपराध के मुकाबले का दंड देना। निश्चित तौर पर इस तरह के फैसले भविष्य में नजीर बनेंगे और कानून और फैसलों में एकरूपता की कमी का फायदा उठाकर अपराधी बाहर आएंगे। इससे अदालत के समक्ष समस्याएं तो बढ़ेंगी ही, अपराधियों का मनोबल भी बढ़ेगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले भविष्य के लिए नजीर बनते हैं, इसलिए यह जरूरी है कि ये फैसले किसी न्यायाधीश के दृष्टिकोण और सोच पर आधारित होने के बजाय, स्थापित कानून पर आधारित हों।

जी-20: अब भारत करेगा दुनिया का नेतृत्व

आर.के. सिन्हा,

भारत को जी-20 देशों के समूह की सांकेतिक रूप से अध्यक्षता आगामी 16 नवंबर को ही मिल जाएगी जब इंडोनेशिया के शहर बाली में चल रहा जी-20 शिखर सम्मेलन समाप्त होगा। हां, भारत विधिवत रूप से जी-20 की अध्यक्षता अगले माह 1 दिसंबर से संभालेगा। भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक अवसर है दुनिया को नेतृत्व प्रदान करने का और अपनी नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने का । जी-20 ऐसे देशों का समूह है, जिनका आर्थिक सामर्थ्य, विश्व की 85% जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 उन 20 देशों का समूह है, जो विश्व के 75% व्यापार का भी प्रतिनिधित्व करता है और भारत अब इसी जी-20 समूह का नेतृत्व करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में जी-20 का ह्ललोगोह्व (प्रतिक चिन्ह) ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व को जारी करते हुए कहा कि यह केवल एक प्रतीक चिन्ह ही नहीं है। यह एक गहरा संदेश है, एक भावना है, जो हमारी रगों में बसता है। यह एक ऐसा संकल्प है जो हमारी सोच में शामिल रहा है। इस लोगो और थीम के जरिए भारत ने विश्व को फिर एक संदेश दिया है। युद्ध से मुक्ति के लिए बुद्ध के जो संदेश हैं, हिंसा के प्रतिरोध में महात्मा गांधी के जो समाधान हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का प्रयास रहेगा कि विश्व में कोई भी फर्स्ट वर्ल्ड या थर्ड वर्ल्ड न हो, बल्कि केवल वन वर्ल्ड हो। भारत ने वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड के मंत्र के साथ विश्व में अक्षय ऊर्जा क्रांति का आह्वान भी किया है।

राजधानी नई दिल्ली में अगले साल 9-10 सितंबर, 2023 में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज, रूस के राष्ट्रपति पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग समेत दुनिया के शिखर नेता भाग लेंगे। उस दौरान प्रधानमंत्री मोदी जी-20 के नेताओं के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। शी चिनफिंग के साथ सीमा विवाद को हल करने पर भी बात हो सकती है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद बना हुआ है। भारत जी-20 सम्मेलन में ब्रिटेन के भारतीय मूल के हिन्दू प्रधानमंत्री सुनक का खासतौर पर स्वागत करना चाहेगा। उनको लेकर सारा भारत स्वाभाविक कारणों से सदभाव रखता है।

निर्गुट सम्मेलन के समय राष्ट्राध्यक्ष अशोक होटल या फिर राष्ट्रपति भवन में ठहरे थे। सम्मेलन विज्ञान भवन में आयोजित किया गया था। अशोक होटल तथा विज्ञान भवन 1956 में बन कर तैयार हुए थे। पर जी- 20 के दौरान ना तो अशोक होटल में कोई राष्ट्राध्यक्ष रात गुजारेगा और ना ही विज्ञान भवन में कोई खास बैठक होगी। जी-20 शिखर सम्मेलन प्रगति मैदान में तैयार विश्व स्तरीय सभागार में आयोजित होगा। बाइडेन, पुतिन, शी जिनपिंग, सुनक और अन्य राष्ट्राध्यक्ष कहां ठहरेंगे?

इस बीच, यह सारे देश के लिए एक गर्व का विषय है कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिल रही है। जी- 20 के सफल आयोजन की तेजी से तैयारियां शुरू भी हो गईं हैं। करीब चार दशक पहले 1983 में राजधानी में गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था। उसमें दर्जनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष भाग लेने आए थे। उनमें क्यूबा के राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो, पाकिस्तान के सैन्य तानाशाह जिया उल हक, फलस्तीनी मुक्ति संगठन (पीएलओ) नेता यासर अराफात आदि प्रमुख थे। निर्गुट सम्मेलन के चालीस सालों के बाद जी-20 सम्मेलन राजधानी में आयोजित होना है। इसमें दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेता भाग लेंगे। इस लिहाज से ये निर्गुट सम्मेलन से अलग है। जी-20 देशों के हजारों प्रतिनिधियों की भारत के अलग-अलग शहरों में बैठकें अगले माह से ही शुरू हो जाएंगी। राजधानी की जिन सड़कों से जी-20 सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं के काफिले निकलेंगे उनका सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। जी-20 सम्मेलन के मद्देनजर राजधानी की करीब पौने चार सौ जगहों को नये सिरे से सजा?ा-संवारा जाना है। इनमें कुछ खास पार्क, फ्लाईओवर के नीचे के हिस्से तथा चौराहे शामिल हैं।

निर्गुट सम्मेलन के समय राष्ट्राध्यक्ष अशोक होटल या फिर राष्ट्रपति भवन में ठहरे थे। सम्मेलन विज्ञान भवन में आयोजित किया गया था। अशोक होटल तथा विज्ञान भवन 1956 में बन कर तैयार हुए थे। पर जी- 20 के दौरान ना तो अशोक होटल में कोई राष्ट्राध्यक्ष रात गुजारेगा और ना ही विज्ञान भवन में कोई खास बैठक होगी। जी-20 शिखर सम्मेलन प्रगति मैदान में तैयार विश्व स्तरीय सभागार में आयोजित होगा। बाइडेन, पुतिन, शी जिनपिंग, सुनक और अन्य राष्ट्राध्यक्ष कहां ठहरेंगे? ये भी सवाल है। अमेरिका के दो पूर्व राष्ट्रपति क्रमशः बराक ओबामा तथा बिल क्लिंटन राजधानी के मौर्या शेरटन होटल में रूक चुके हैं। तो क्या बाइडेन भी वहां पर ठहरेंगे? पुतिन भी अपनी दिल्ली की यात्राओं के समय मौर्या शेरटन में ही ठहरे हैं। इस बीच, ये लगभग तय है कि नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) लुटियंस दिल्ली के किसी खास पार्क का नाम जी-20 पार्क ही रख दे। उसने पूर्व में लुटियंस दिल्ली के दो पार्कों को नया नाम क्रमशः भारत-आसियान मैत्री पार्क तथा इंडो- अफ्रीका फ्रेंडशिप रोज गॉर्डन दिया है। भारत-आसियान मैत्री पार्क का उदघाटन तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने सन 2018 में किया था। तब राजधानी में भारत- आसियान शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था। इसी तरह से राजधानी के न्याय मार्ग में है इंडो-अफ्रीका फ्रेंडशिप रोज गॉर्डन। ये भारत-अफ्रीकी देशों के शिखर सम्मेलन से पहले 2015 में स्थापित किया गया था। ये भारत के आसियान तथा अफ्रीकी देशों से मैत्री के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। तो जी-20 मैत्री पार्क भी बनना भी लगभग तय है।

हां,यह ठीक है कि आधुनिक विश्व के प्रमुख आर्थिक मंच जी-20 की अध्यक्षता करने की जिम्मेदारी पहली बार भारत को मिली है, लेकिन यदि इतिहास के झरोखे से देखें, तो भारत हमेशा से दुनिया के लिए गंभीर जिज्ञासा का विषय रहा है। हजारों साल की सांस्कृततिक विरासत की थाती और प्रेम व शांति सरीखे मानवीय मूल्यों की विश्व में प्रतिष्ठा करने वाला यह देश सदियों से दुनिया के आकर्षण का केन्द्रं रहा है। कोरोना महामारी की विभिषिका झेल चुके विश्व के तमाम देशों के लिए आज भारत इसलिए भी बहुत महत्वकपूर्ण हो गया है कि आठ अरब की विश्व की कुल आबादी में से अकेले सवा अरब से अधिक की आबादी होने के बावजूद इस देश ने मिलजुलकर बहुत ही बहादुरी से इस महामारी को परास्त करने में कामयाबी हासिल की। कोरोना के खिलाफ टीका विकसित कर रिकार्ड टाइम में अपने तमाम नागरिकों को इस महामारी से सुरक्षित करना कोई आसान काम नहीं था। कोरोना ने समूची दुनिया के आर्थिक ढांचे को भारी क्षति पहुंचाई। विकास के पहिए की गति प्रभावित हुई और विशेषज्ञों की मानें, तो एक बड़ी आर्थिक मंदी पुनः दुनिया की चौखट पर दस्तक दे रही है। इसको लेकर समूची दुनिया में बेचैनी का माहौल है। गरीब और विकासशील देशों में इसका असर जाहिर तौर पर ज्यादा होने वाला है। ऐसे वक्त में भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलना महत्वपूर्ण है। अब भारत को दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियां का हल खोजने में अहम भूमिका निभानी होगी।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

नए चीफ जस्टिस के समक्ष है चुनौतियों का अंबार

- योगेश कुमार गोयल

जस्टिस धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने 9 नवम्बर को देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) का दायित्व संभाल लिया है। वे देश की सबसे बड़ी अदालत में 10 नवम्बर 2024 तक इस सर्वोच्च पद पर आसीन रहेंगे। जस्टिस चंद्रचूड़ ने इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश रहते अयोध्या मामले, आईपीसी की धारा 377 के अंतर्गत समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने, आधार योजना की वैधता और सेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने जैसे कई ऐतिहासिक फैसले सुनाए हैं। नवाचार को प्रोत्साहन देने में भी वह खासे उदार रहे हैं। उन्हीं के निर्देशन में न्यायपालिका के पहले सूचना तकनीकी केंद्र की रूपरेखा तैयार हुई और इलाहाबाद हाई कोर्ट के डिजिटलीकरण का कार्य भी उन्होंने ही शुरू कराया था।

आसानी नहीं है जस्टिस चंद्रचूड़ का कार्यकाल

हालांकि, देश के 50वें सीजेआई के रूप में जस्टिस चंद्रचूड़ को दो वर्ष लंबा कार्यकाल मिला है लेकिन उनका यह कार्यकाल आसान नहीं होगा। बतौर सीजेआई उनके समक्ष कई बड़ी चुनौतियां होंगी। सबसे बड़ी चुनौती तो अदालतों में लंबित मामलों के बोझ को कम करने की होगी। उन्होंने स्वयं पुणे में 25 अगस्त, 2022 को इंडियन ला सोसायटी के एक कार्यक्रम में कहा था कि हम सभी जानते हैं कि अदालतों में कितने ही मामले लंबित हैं। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के अनुसार वर्ष 2010 से 2020 के बीच सभी अदालतों में लंबित मामलों में 2.8 फीसद वार्षिक की दर से वृद्धि हुई है और 2020 से 2022 के बीच कोविड महामारी ने तो इस बोझ को और बढ़ा दिया है। हाल ही में एक समिट के दौरान उन्होंने न्यायपालिका के सामने खड़ी मौजूदा चुनौतियों का उल्लेख भी किया। उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भारतीय न्यायपालिका के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती लंबित मुकद्दमों की संख्या है। जस्टिस चंद्रचूड़ के मुताबिक बीते 70 वर्षों में हमने असमंजस की संस्कृति पैदा कर दी है, साथ ही विश्वास न करने की संस्कृति भी विकसित हो रही है, जिससे हमारे अधिकारी फैसले नहीं ले पाते हैं और इस वजह से भी अदालत में बहुत से मामले लंबित पड़े हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में यह भी कहा कि कानून न्याय का एक औजार हो सकता है और उत्पीड़न का भी। इसीलिए उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कानून दमन का साधन न बने, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी केवल जजों की ही नहीं बल्कि सभी डिसीजन मेकर्स की भी है। जस्टिस चंद्रचूड़ के मुताबिक कानून की किताबों में आज भी औपनिवेशिक काल से ही चले आ रहे ऐसे लॉ मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल उत्पीड़न के लिए किया जा सकता है।

देश की अदालतों में लंबित हैं करोड़ों मामले

देशभर की अदालतों में लंबित मामलों के आंकड़ों पर गौर फरमाएं तो इस समय अदालतों में करीब 4.83 करोड़ मामले लंबित हैं, जिनमें जिला अदालतों में ही 4.1 करोड़ से भी ज्यादा मुकदमे लंबित हैं। विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या करीब 59 लाख है और इनमें करीब 13 लाख मामले तो करीब 10 वर्ष पुराने हैं। केवल सुप्रीम कोर्ट में ही 72 हजार से भी ज्यादा मामले लंबित हैं। अदालतों में जजों की कमी के कारण 1.12 लाख से ज्यादा तो ऐसे मामले हैं, जो 30 वर्षों से लंबित पड़े हैं। ऐसे में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के समक्ष इतनी बड़ी संख्या में लंबित मामलों का समाधान निकालने की बड़ी गंभीर चुनौती है। साथ ही अदालतों में खाली पड़े जजों के पद भरना, अदालतों के कामकाज की शैली में सुधार लाना, अदालती प्रक्रिया को सरल बनाने की दिशा में भी उन्हें निर्णायक पहल करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश का कार्यभार संभालने के बाद जस्टिस चंद्रचूड़ ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में नए मामलों को सूचीबद्ध करने को लेकर बहुत अहम फैसला लिया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को नए केसों को बेंच के सामने सुनवाई के लिए ऑटोमेटिक सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। ऐसे मामलों में एक स्वचालित तारीख दी जाएगी और एक स्वचालित लिस्ट होगी।

न्याय प्रणाली में आमजन का भरोसा बढ़ाने की दरकार

आमतौर पर देश के मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल छोटा ही होता है, लेकिन न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को दो वर्ष का लंबा कार्यकाल मिला है। इसीलिए उम्मीद बंधी है कि इस दौरान वह इन आवश्यक सुधारों को मूर्त रूप देने में सक्षम हो सकेंगे। जस्टिस चंद्रचूड़ ने न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी तथा आम नागरिकों के लिए सरल बनाने की बात कही भी है। देश की अदालतें तारीख पर तारीख वाली कार्यसंस्कृति के लिए बदनाम हैं। इसलिए तारीख पर तारीख वाली अदालतों की इस छवि को बदलना समय की सबसे बड़ी मांग है, जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा बढ़ सके। उम्मीद की जानी चाहिए कि न्याय प्रणाली में आमजन का भरोसा और ज्यादा बढ़ाने के लिए वह ठोस कदम उठाएंगे।

(लेखक 32 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

114, गली नं. 6, गोपाल नगर, एम.डी. मार्ग, नजफगढ़, नई दिल्ली-110043.

आओ मिलकर सहिष्णुता के भाव को मजबूत करें

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर बढ़ते हिंसक चरमपंथ के इस युग में मानव जीवन के लिए एक बुनियादी अपेक्षा की जरूरत है, जो हम सदियों पूर्व मानवीय गुणों में समाहित प्राप्त होते थे, परंतु वक्त के परिवर्तित होते माहौल में उन मानवीय गुणों का दौर भी धीरे-धीरे परिवर्तित होते चला गया जिसमें माननीय हिंसा, द्वेष, भेदभाव, मनमुटाव, गुस्सा नकारात्मक प्रतिद्वंदिता, मानवीय तालमेल का अभाव, दूसरों को परिस्थितियों के अनुसार नीचा दिखाने की प्रवृत्ति दूसरे की टांग खींचना दिनों दिन बढ़ती जा रही है इसलिए हम सब को मिलकर सदियों पूर्व वाले मानवीय गुणों को वापस लाना है, जिससे फि र वोही आपसी सहयोग मानवता परोपकार प्रोत्साहन सज्जनता, कर भला तो हो भला निस्वार्थ और सहिष्णुता सहनशीलता उदारता जैसे अनेकों गुणों को फि र तीव्रता से माननीय हृदय मे विशालता से वापस लाने का दृढ़ संकल्प करना है और हम सब एक हैं के नारे की गूंज का अभियान चलाना होगा। चूंकि 16 नवंबर 2022 को अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस है, जो मानवीय जीवन के लिए बुनियादी अपेक्षा की विशेषता सहिष्णुता है। इसलिए आज हम इस मानवीय अनमोल गुण पर विशेष चर्चा करेंगे कि आओ मिलकर सहिष्णुता के भाव को मजबूत करें। साथियों बात अगर हम सहिष्णुता सहनशीलता और शांति के मार्ग को अपनाने के प्रोत्साहन के कारणों की करें तो आज हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहां ग्रह पर हमारे साथी देशवासियों के बीच शांति और सौहार्दपूर्ण जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। राजनीतिक नकारात्मक प्रतिशोध भावना का बढ़ते जाना, धार्मिक कट्टरता, सांप्रदायिकता ध्रुवीकरण कोविड महामारी के बाद उत्पन्न स्थिति, जिंदगी की जटिलताएं और गिरता मानवीय आचरण, बढ़ता राजनीतिक द्वेष इत्यादि अनेक कारणों से आज मानवीय जीवन में सहिष्णुता की अत्यंत आवश्यकता आन पड़ी है जिसके लिए हमें आज न केवल इस वर्ष 16 नवंबर 2022 को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस को गंभीरता से जनजागरण कर मनाना है बल्कि वर्ष के प्रतिदिन इस दिवस को मनाने का संकल्प भी लेना है, ताकि हम असहिष्णुता को जीरो टॉलरेंस कर सकें। साथियों बात अगर हम सहिष्णुता के अर्थ को समझने की कोशिश करें तो करें तो सहिष्णुता में सह अस्तित्व का भाव विद्यमान होता हैं। सकारात्मक अर्थ में सहिष्णुता का आशय है उन विचारों, मतों या धर्मों आदि के अस्तित्व को भी स्वीकार करना तथा उनका सम्मान करना चाहे उसके विचार/मत/धर्म आपसे भिन्न हो सामाजिक समरसता और भाईचारे को बढ़ाने के लिए सहिष्णुता की अवधारणा का होना आवश्यक हैं। बुद्ध के पंचशील सिद्धांतों और नेहरू की पंचशील में सहिष्णुता की अवधारणा को ही प्रस्तुत किया गया हैं। सहिष्णुता का महत्वपूर्ण आधार लोकतांत्रिक दृष्टिकोण हैं,सहिष्णुता का प्रमुख संदर्भ धार्मिक सहिष्णुता से हैं विशेषकर भारत के सन्दर्भ में जहाँ अनेक धर्मों का अस्तित्व है वहां इसकी विशेष आवश्यकता हैं। भारत की पंथनिरपेक्षता की अवधारणा में विभिन्न धर्म, विचार और संस्कृतियों के प्रति सहिष्णुता के स्थान पर धार्मिक संदर्भ में सर्वध समभाव की अवधारणा को प्रसारित किया जिसमें विभिन्न धर्मों के सहअस्तित्व के साथ साथ सहभागिता का भाव विद्यमा हैं।

साथियों बात अगर हम इसे हर वर्ष मनाने की करें तो, हर साल 16 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय सहिष्?णुता दिवस मनाया जाता है। देश और दुनिया में लगातार उपद्रव, हिंसा, रंगभेद, जातिभेद, आगजनी की घटनाएं बढ़ रही है, तो मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। ये निम्न कारण देश दुनिया के विकास के रुकावट का कारण बन रहे हैं। विकासशील देश से विकसित देश बनना है तो इन सभी से परे सोचना होगा। इन सभी परिस्थितियों के बीच इंसानियत को बचाने, शांति और सौहार्द को कायम रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस मनाया जाता है। इस दिवस पर यूनेस?को द्वारा लोगों को टॉलरेंस के खतरों के बारे में अधिक से अधिक जागरूक किया जाता है। आज के वक्त में कॉपोरेट ऑफिस में राजनीतिक क्षेत्र में इस तरह की दूरियों को मिटाने के लिए सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाता है।

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है सांस्कृतिक विविधता और शांति जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएं। अधिक से अधिक लोगों को प्राथमिक शिक्षा का हक मिलें। जिस पर देशभर के बड़े-बड़े नेताओं को एक छत के नीचे बैठकर जरूर विचार-विमर्श करना चाहिए। यूनेस्को ने वर्ष 1995 में महात्मा गांधी की 125 वीं जयंती के अवसर पर सहिष्णुता और अहिंसा को बढ़ावा देने के लिए यूनेस्को-मदनजीत सिंह पुरस्कार की स्थापना की थी। यह पुरस्कार विज्ञान, कला, संस्कृति अथवा संचार के क्षेत्र में सहिष्णुता और अहिंसा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए गए काम के लिए दिया जाता है। सहिष्णुता और अहिंसा को बढ़ावा देने के लिए यूनेस्को- मदनजीत सिंह पुरस्कार का शीर्षक है और सहिष्णुता और अहिंसा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वैज्ञानिक, कलात्मक सांस्कृतिक या संचार क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गतिविधियों कोपुरस्कृत करता है।

वीरांगना ऊदा देवी- जिनका सम्मान शत्रुओं को भी करना पड़ा

मृत्युंजय दीक्षित

स्वतंत्रता की लड़ाई में समाज के सभी वर्गऔर जाति के लोगों ने भाग लिया था लेकिन इतिहास लेखन में बहुत से क्रांतिकारियों का विवरण एक सोची - समझी रणनीति के अंतर्गत दबा दिया गया । ऐसी ही एक महान महिला क्रांतिकारी हुई वीरांगना ऊदा देवी, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अप्रतिम वीरता का परिचय दिया।1857 के स्वतंत्रता संग्राम में ऊदा देवी ने 32 ब्रिटिश सैनिकों को मार गिराया था और फिर वीरगति को प्राप्त हुई थीं। ऊदा देवी की वीरता के विषय में भारतीय इतिहासकारों से अधिक ब्रिटिश पत्रकारों और अधिकारियों ने लिखा है। भारतीय इतिहासकारों ने उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जिसकी वह अधिकारी थीं। लेकिन अज आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में ऐसा अवसर आया है जब हम इन भूले -बिसरे वीर सैनिकों को स्मरण कर रहे हैं।

लखनऊ जनपद के उजिरियांव गांव की ऊदा देवी पासी जाति में पैदा हुईं वे बचपन से ही जुझारू स्वभाव की थीं। उनके पति मक्का पासी अवध के नवाब वाजिद अली शाह की पलटन में एक सैनिक थे। देसी रियासतों पर अंग्रेजों के बढ़ते हस्तक्षेप को देखते हुए महल की रक्षा के उद्देश्य से स्त्रियों का एक सुरक्षा दस्ता बनाया गया तो उसके एक सदस्य के रूप में ऊदा देवी को भी नियुक्त किया गया ।ऊदा देवी में गजब की क्षमता थी जिससे नवाब की एक बेगम हजरत महल उनसे बहुत प्रभावित हुयीं । नियुक्ति के कुछ ही दिनों के बाद में ऊदा देवी को बेगम हजरत महल की महिला सेना का कमांडर बना दिया गया। इस महिला दस्ते के कमांडर के रूप में ऊदा देवी ने जिस अदम्य साहस,दूरदर्शिता और शौर्य का परिचय दिया उससे अंग्रेज सेना चकित रह गयी थी।

'बाल दिवस से बच्चों में आती है नेतृत्व की क्षमता'

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। परमहंस संत रणछोड़दास जी महाराज के कर कमलों से स्थापित मानव सेवी संस्थान श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट जानकीकुंड में सदगुरु शिक्षा समिति ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु की जयंती पर बाल दिवस में ट्रस्ट एवं समिति के सभी शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने विज्ञान आधारित विभिन्न मॉडल, झांकियां एवं खाद्य स्टाल लगाये।

बाल दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि सतना के कलेक्टर अनुराग वर्मा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती नेहा वर्मा, समारोह अध्यक्ष कुलपति ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रो भरत मिश्र, ट्रस्टी डॉ बीके जैन, सदगुरु शिक्षा समिति अध्यक्ष श्रीमती ऊषा जैन, विशेष अतिथि एसडीएम पीएस त्रिपाठी, एसडीओपी आशीष जैन, थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप जलाकर किया। श्रीमती ऊषा जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि अनुराग वर्मा ने कहा कि एक समय हम भी बाल्यकाल में ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होते थे। इससे बच्चों में नेतृत्व की क्षमता विकसित होती है। विशिष्ट अतिथि नेहा वर्मा ने सभी छात्रों को अपने जीवन में बड़े लक्ष्य रखने और प्राप्ति को पूरे मनोयोग से प्रयास करने की प्रेरणा दी। कुलपति भरत मिश्रा ने छात्रों से कहा कि जो भी संकल्प लेते हैं, उसकी पूर्ति में आज से ही प्रयास करना चाहिए। विद्याधाम एवं सदगुरु पब्लिक स्कूल के कई नन्हें छात्र रंगारंग वेश भूषा में फैंसी ड्रेस को तैयार होकर आये थे। सभी ने विज्ञान प्रदर्शनी देखकर छात्रों को प्रोत्साहित किया। आजादी के बाद खंड-खंड बटे हुए भारत को एक सूत्र में जोड़ने वाले लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा की झांकी भी छात्रों ने तैयार की थी। इस मौके पर प्राचार्य शंकरदयाल पाण्डेय, राकेश तिवारी, सुरेन्द्र तिवारी, फिरोज खान, दीपक वानी, मंजुला वानी, सचिव आरबी सिंह चैहान समेत विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, सदगुरु परिवार के सदस्य समेत छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकगण मौजूद रहे।

एडीजी प्रेमप्रकाश ने 25वीं शूटिंग प्रतियोगिता देखी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक प्रेमप्रकाश के जिले में आगमन पर सेरेमोनियल गार्द ने गॉड आफ आनर देकर पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा ने उन्हें रोजेन्ट अलंकृत कर स्वागत किया। उन्होंने 25वीं अर्न्तजनपदीय प्रयागराज जोन पुलिस अलार्म एफीशिएन्सी रेस एवं राइफल/रिवाल्वर शूटिंग प्रतियोगिता का फीता काटकर शुभारम्भ किया। मंगलवार को पुलिस लाइन परिसर में प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक प्रेमप्रकाश ने विभिन्न जिलों से आई

टीमों के कैप्टन से परिचय लिया। उन्होंने एसपी अतुल शर्मा व एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी की मौजूदगी में पुलिस कार्यालय में फरियादियों की शिकायतें सुनकर जल्द निस्तारण के निर्देश दिये। प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। अपर पुलिस महानिदेशक ने एसपी के साथ पुलिस कार्यालय में शिकायत प्रकोष्ठ, सोशल मीडिया सेल, वाचक कार्यालय का निरीक्षण कर दस्तावेजों को दुरुस्त रखने एवं साफ-सफाई के निर्देश दिये। इस मौके पर सीओ राजापुर भास्कर वर्मा, सीओ मऊ शीतला प्रसाद पाण्डेय, प्रधान लिपिक आलोक कुमार सिंह, स्टेनो कमलेश राव, प्रतिसार निरीक्षक सुमेर सिंह आदि मौजूद रहे।

किसान सभा का हर घर, गांव में फहरायें झंडा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश किसान सभा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य का रुद्र प्रसाद मिश्र एड ने बिरसामुंडा की जयंती पर किसानों से कहा कि आज बिरसामुंडा के विचारों की जरूरत है। जिस अदम्य साहस से बिरसामुंडा ने अंग्रेजों और सामन्ती दमन के खिलाफ आवाज उठाई थी, उसी साहस और आत्मविश्वास की जरूरत है।

मंगलवार को बिरसामुंडा जयंती के मौके पर उप्र किसान सभा राज्य कार्यकारिणी सदस्य का रुद्र प्रसाद मिश्र एड ने

किसान सभा कार्यालय में कार्यकताओं से कहा कि किसानों और मजदूरों के सामने जो चुनौती है, उससे निपटने को बिरसामुंडा के विचारों और अदम्य साहस की जरूरत है। किसान सभा का झंडा फहराते हुए कार्यकताओं से कहा कि हर गांव में किसान झंडा फहराकर बिरसामुंडा की जयंती मनायें।

इस मौके पर का अजय सिंह, लल्लूराम त्रिपाठी, शिवम द्विवेदी, शिवशंकर मिश्रा, शिवमोहन यादव, किसान सभा के जिलाध्यक्ष का चुनकूराम पाल, का रामप्रताप, का शिवप्रसाद, मुन्ना, सुभाषचन्द्र, रामसहाय सिंह, दुर्गा प्रसाद गुप्ता एड आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता चुनकूराम पाल ने की।

महिला ने मिट्टी का तेल डालकर किया आत्मदाह

अखंड भारत संदेश

उन्नाव । गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कंचन नगर में एक महिला ने मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा ली। जिस पर आसपास के लोगों ने बमुश्किल आग बुझाई। काफी कुछ जल जाने के कारण उक्त महिला की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिये भेजा दिया। जानकारी के अनुसार कंचन नगर निवासी जय करन शर्मा लगभग 20 वर्ष पूर्व घर से कहीं चला गया। जिसके बाद उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका। उसकी पत्नी गीता शर्मा 55 पुत्र अंकित के साथ विवाद होने के कारण वह बहन की बेटी श्रीनगर निवासी शिवकली के घर पर रहती थी। ठंड बढ़ जाने के कारण वह स्वेटर लेने के लिए भतीजी के पति सत्येन्द्र के साथ कंचन नगर स्थित मकान पर पहुंची। जहां सत्येन्द्र कुछ काम पर जाने की बात कहकर चला गया। इस दौरान गीता ने अपने ऊपर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा ली। जलते हुए चिल्लाते हुये वह बाहर की ओर भागी। जिस पर लोग दौड़े और कंबल, बोरा डालकर किसी तरह आग बुझाई। इस दौरान वह बुरी तरह से झुलस गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौत की सूचना आस पास के लोगों ने गंगाघाट कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पास्टमार्टम के लिये भेजा है।

एसडीएम हसनगंज के नेतृत्व में एआरटीओ ने चलाया ओवरलोड वाहनों का चेकिंग अभियान

उन्नाव । ओवरलोडिंग एवं बिना पूर्ण प्रपत्र के छह वाहनों पर प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही उपजिलाधिकारी हसनगंज के नेतृत्व में एआरटीओ प्रवर्तन ए के सिंह एवं ज़िला खनन अधिकारी संजय प्रताप के द्वारा जाँच के

दौरान कुल 6 वाहनो को ओवेरलोड के बिना परिवहन प्रपत्र एवं रायल्टी की वैद्यता समाप्त होने के चलते समस्त वाहनो को थाना हसनगंज की अभिरक्षा में दिया गया है। उक्त कार्यवाही से खनन विभाग को लगभग 2,72,000 रुपए शास्ति के रूप में प्राप्त होगी।

एसपी ने किया सदर कोतवाली का औचक निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

उन्नाव । पुलिस अधीक्षक एस एस मीना ने सदर कोतवाली उन्नाव का किया औचक निरीक्षण

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को पुलिस कप्तान सिद्धार्थ शंकर मीना द्वारा उन्नाव के थाना कोतवाली सदर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस, हवालात, महिला हेल्पडेस्क एवं आगन्तुक कक्ष सहित थाना परिसर का अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं के तहत निरीक्षण किया। इसी के साथ जनपद पुलिस के आला अधिकारी द्वारा समस्त अभिलेखों की प्रविष्टियों का अवलोकन भी किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर को कई अत्यंत आवश्यक बिंदुओं के तहत दिशा निर्देश भी दिये।

अधिक से अधिक लोग बनें लाइफटाइम मेम्बर: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक में क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी विजय कुमार से कहा कि खेल विकास पुरस्कार समिति में धनराशि दी जाये। उसका उपयोग उदीयमान निर्धन खिलाडियों को दिया जाये। मंगलवार को कलेक्टेज्ट सभागार में हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम अभिषेक आनन्द ने स्पोर्ट्स स्टेडियम की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि उप्र व केन्द्र सरकार खेल एवं खिलाडियों के लिए तमाम सुविधायें दे रही है। बच्चे प्रतियोगिता में भाग लेकर जिला, प्रदेश, देश का नाम रोशन कर सकें। जिले में खेलों का अच्छा माहौल बन रहा है। स्पोर्ट्स स्टेडियम में अभ्यास को आने वाले लोगों को सुविधायें देना दायित्व है। उन्होंने कहा कि लाइफ टाइम मेम्बर 25 से 30 हजार देकर बन सकते हैं। इस धनराशि से खिलाडियों के उत्थान में मदद की जायेगी। जिला पंचायत, पीडब्ल्यूडी, जिला कार्यक्रम विभाग इसमें सहयोग दे सकते हैं। सांसद आरके सिंह पटेल ने सुषमा स्वरुप इंटरनेशनल कालेज में स्टेडियम का विकास एवं खिलाडियों के उत्थान को मदद की है। जिलाधिकारी के आवाहन पर गिरीश अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, सुषमा स्वरुप इंटरनेशनल कालेज के प्रबंधक गोयल ने लाइफटाइम मेम्बर बनने को तीस हजार प्रोत्साहन समिति को देकर मेम्बर बनें। सदस्यों ने तालियां बजाकर स्वागत किया। इस मौके पर एडीएम न्यायिक वन्दिता श्रीवास्तव, बीएसए लव प्रकाश यादव, एक्सईएन प्रान्तीय खण्ड सत्येन्द्रनाथ, ईओ नगर पालिका रामअचल कुरील आदि मौजूद रहे।

तीन विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से जवाब-तलब

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मानिकपुर के खण्ड शिक्षाधिकारी कृष्णदत्त पाण्डेय ने प्राथमिक विद्यालय गढचपा, पतेरिया व उच्च प्राथमिक विद्यालय पतेरिया के प्रधानाध्यापकों को लिखे पत्र में विद्यालय में मेन्यू के अनुसार मध्यान्ह भोजन न बनवाने, फल न बांटने, उपस्थित छात्र संख्या से ज्यादा छात्र संख्या दिखाने की बाबत जवाब-तलब किया है।

मंगलवार को मानिकपुर के खण्ड शिक्षाधिकारी ने एसडीएम मानिकपुर के व्हाट्सअप में भेजे 14 नवम्बर के मैसेज को संज्ञान में लेते हुए कहा कि प्रधान प्रतिनिधि गढचपा के अरुण सिंह बघेल के शिकायती पत्र का संदर्भ जमा करें। उन्होंने बताया है कि विद्यालय के निरीक्षण में सोमवार को मेन्यू के अनुसार बच्चों को मध्यान्ह भोजन व मौसमी फल नहीं बांटे गये। सब्जी रोटी न बनाकर सब्जी चावल खिलाया गया, जबकि एमडीएम पंजिका में सब्जी रोटी अंकित किया था। उपस्थित छात्र संख्या से ज्यादा छात्र संख्या एमडीएम पंजिका में दिखाई गई है।

उन्होंने कहा कि इस बाबत वीडियो रिकार्डिंग भी प्रधान प्रतिनिधि ने पेश किया है। उन्होंने प्रधानाध्यापकों से तीन दिन के अन्दर स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने को कहा है। चेताया है कि ऐसा न करने पर प्रधानाध्यापकों के खिलाफ कार्यवाही को जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को पत्र भेजा जायेगा।

आरईएस के जेई की मनमानी, बिना कार्य देखे करता एमबी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी ब्लाक में तैनात आरईएस के जेई जितेन्द्र कुमार की मनमानी खूब देखने को मिल रही है। मानक विहीन कार्यों की मनमानी ढंग से एमबी कर सरकारी नियमावली की धज्जियां उडा रहे हैं।

मंगलवार को आरईएस के जेई के कारनामों का खुलासा हुआ। बताया गया कि क्षेत्र पंचायत के ज्यादातर कार्यों की एमबी आरईएस के जेई जितेन्द्र कुमार कर रहे हैं। बिना कार्यों की गुणवत्ता देखे एमबी की जा रही है। क्षेत्र पंचायत के नाला निर्माण व इंटरलॉकिंग खडंजा निर्माण कार्य में भारी धांधली देखने को मिल रही है। ठेकेदार ने घटिया सामग्री का प्रयोग कर निर्माण कार्य कराये जा रहे हैं। क्षेत्र पंचायत ने नाला निर्माण कार्यों में थर्ड क्वालिटी की ईंटों का प्रयोग किया है। क्रशर डस्ट से निर्माण कार्य हो रहे हैं। जिनकी एमबी जेई जितेन्द्र कुमार मनमानी ढंग से कर सरकारी धन को ठिकाने लगा रहे हैं।

जेई के कारनामें खासे चर्चा में हैं। मानिकपुर ब्लाक के रुकमाबुजुर्ग में बुन्देलखण्ड विकास निधि से बनाई सीसी रोड की एमबी भी इन्होंने की थी। इसका कार्य अभी अधूरा पडा है, फिर भी भुगतान हो गया है। अब देखना है कि जिला प्रशासन जेई के मामले को संज्ञान में लेकर क्या कार्यवाही करता है।

बाइकों के टकराने से व्यापारी की हुई मृत्यु

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी कोतवाली क्षेत्र के पहाडी-राजापुर मार्ग में आमने-सामने हुई बाइक की ठोकर से एक व्यापारी की मृत्यु हो गई। बाइक सवार साथी और दूसरे

बाइक सवार घायल हो गये। लोगों की सूचना पर पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल व मृतक को पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है।

ये हादसा सोमवार को देर रात हुआ। बताया गया कि शहर के पटेल तिराहे के निवासी शेखर अतरौलिया (26) पुत्र मुन्ना एड व्यवसाय के सिलसिले में आर्डर लेने लोढवारा गांव जा रहे थे। उनके साथ मोटरबाइक में नई दुनिया का लक्ष्मण भी था। लोगों ने बताया कि बनकट गांव के पास शेखर की मोटरबाइक से सामने से आ रही बाइक से टकरा गई। हादसे में दूसरी बाइक सवार के दोनों लोग बाल-बाल बच गये, जबकि शेखर व लक्ष्मण बाइक से दूर जा गिरे।

कर्वी कोतवाल एके मिश्रा ने दोनों को जिला अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने शेखर को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

उन्नाव के बांगरमऊ में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित कॉलेज को गिराया गया

अखंड भारत संदेश

बांगरमऊ उन्नाव । ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए कॉलेज पर स्थानीय प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

प्राप्त जानकारी के अनुसार बांगरमऊ नगर के हरदोई मार्ग पर ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से बनाये गए बी डी एस आर इंटर कॉलेज पर सोमवार शाम एसडीएम उदित नारायण सेंगर के नेतृत्व में बुलडोजर चलाकर विद्यालय गिराने की शुरूआत की गई। इस दौरान नगर पालिका कर्मियों के साथ ईओ राकेश सिंह, बड़ी संख्या में पुकिस बल के साथ कोतवाल ओपी राय एवं राजस्व टीम मौजूद रही। बांगरमऊ नगर के हरदोई मार्ग पर पावर हाउस के सामने बी.डी.एस.आर इंटर कॉलेज को आगामी होने वाली हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के लिए सेंटर बनाएं जाने की डीआईओएस की संतुष्टि होने के बाद तहसील प्रशासन को जांच सौंपी गई थी। बीते 2 नवम्बर को एसडीएम उदित नारायण सेंगर नगर पालिका

ईओ राकेश सिंह के साथ विद्यालय पहुंचे थे। जांच के दौरान विद्यालय प्रबंधक महेश तथा एक प्रिंसिपल सहित इंटरमीडिएट पास एक बाबू विद्यालय संचालन करते मिले थे। जांच में पता चला कि विद्यालय प्रबंधक ने शिक्षा विभाग को गुमराह करते हुए 25 अध्यापकों की सूची बनाकर सेंटर बनवाया गया था। और गाटा संख्या 582, 583, 584 रकबा 10 बिस्वा भूमि सरकारी ग्राम समाज के नाम दर्ज है। जिसपर विद्यालय बना है।जबकि चकमार्ग भी कब्जा कर निर्माण कर लिया गया। नगरपालिका के जेई पंकज पटेल ने 13 फरवरी 2018 को विद्यालय प्रबंधक महेश यादव के खिलाफ धारा 447 के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया था।इसके बावजूद भी विद्यालय में दूसरी मंजिल का निर्माण करा दिया गया था। उप जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधक महेश यादव को भू माफिया सूची में शामिल कर शासन को रिपोर्ट भेजकर जिला विद्यालय निरीक्षक को जांच के लिए पत्र भेजा था। नगर पालिका द्वारा नोटिस भेजने के बावजूद भी विद्यालय प्रबंधक द्वारा भूमि नहीं खाली की गई थी। पुलिस ने बीते 3 नवम्बर को विद्यालय प्रबंधक को शांति भंग में उप जिलाधिकारी न्यायालय से जेल भेजा था।

टाइगर रिजर्व से रोजगार को मिलेगा बढावा: विधायक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। समूचे प्रदेश में ईको टूरिज्म महोत्सव के तहत मानिकपुर तहसील के कल्याणपुर गांव के पास ईको टूरिज्म महोत्सव का आयोजन हुआ।

मंगलवार को रानीपुर टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर आरके दीक्षित की देखरेख में हुए कार्यक्रम की शुरूवात मुख्य अतिथि मानिकपुर विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी, ब्लाक प्रमुख अरविन्द मिश्र, धारकुण्डी आश्रम पूज्य गुरुदेव भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे, पंकज अग्रवाल, राजीव त्रिपाठी ने दीप जलाकर किया।

जमुनिहाई गांव के कलाकारों ने दीवाली नृत्य पेश किया। जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत व भजन पेश किये।

संचालन अनुज हनुमत ने किया। सभी वक्ताओं ने कहा कि रानीपुर टाइगर रिजर्व से स्थानीय स्तर पर पर्यटन के द्वार खुलेंगे। रानीपुर टाइगर रिजर्व के विकास से स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढावा मिलेगा। इस मौके पर एसडीओ सुशील कुमार, आरएफओ केपी दुबे, बीपी सिंह, एके जैन, आरके सिंह, राणा प्रताप सिंह, राधेश्याम दिवाकर, ग्राम पंचायतों के प्रधान व पर्यावरण कार्यकर्ता गुरु मिश्रा व पंकज तिवारी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में महत्वपूर्ण बिंदुओं के तहत डीएम ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

उन्नाव । जिलाधिकारी श्रीमती अपूर्वा दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में जिला बाल संरक्षण समिति उन्नाव की त्रैमासिक बैठक, ह्वबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओह्व योजनान्तर्गत टास्क फोर्स तथा जनपद में बाल विवाह की रोकथाम हेतु गठित जिला टास्क फोर्स एवं वन स्टाप सेन्टर की जिला संचालन समिति के नामित सदस्यों के साथ बैठक की गयी । बैठक में सी0पी0एस0 योजनान्तर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, चाईल्ड लाइन एवं वन स्टाप सेन्टर के कार्यों की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी द्वारा बाल विवाह, बालश्रम के सम्बन्ध में आमजनमानस को जागरूक किये जाने, विकास खण्ड तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में 1098 चाइल्ड लाइन एवं 181 महिला हेल्पलाइन नम्बर का प्रचार-प्रसार कराये जाने, पीस कमेटी की बैठक में बाल विवाह एवं बालश्रम की रोकथाम के सम्बन्ध में चर्चा कर जागरूक किये जाने, जनपद के थानों में 181 एवं 1098 हेल्पालाइन नम्बरों की रंगोली बनाये जाने तथा बच्चों से बाल कल्याण पुलिस अधिकारी को बैच लगवाकर बच्चों को प्रोत्साहित किये जाने, विद्यालयों में अच्छी उपस्थिति वाले बच्चों को जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी एवं जनपद के समस्त थानों के थानाध्यक्ष एवं बाल

कल्याण पुलिस अधिकारी से मिलवाकर प्रोत्साहित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर दिव्यांशु पटेल मुख्य विकास अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, क्षेत्राधिकारी पुलिस आशुतोष, श्रीमती रेनू यादव जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, एआरटीओ, जीआरपी, आरपीएफ, अध्यक्ष एवं सदस्य बाल कल्याण समिति, ज्योति मिश्रा सेन्टर मैनेजर तथा जिला समन्वयक महिला शक्ति केन्द्र 1098 चाईल्ड लाइन एवं जनपद स्तरीय अन्य अधिकारी व कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

खेरसान की मुक्ति के साथ युद्ध समाप्ति की शुरुआत : जेलेंस्की

खेरसॉन। यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध में खेरसॉन से रूसी सेना की वापसी अहम मोड़ साबित हो सकती है। खेरसॉन से रूसी सेना की वापसी पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे युद्ध समाप्ति की शुरूआत बताया। इसके साथ यह भी स्वीकार कि रूसी सेना को पीछे धकेलने के लिए यूक्रेनी सैनिक भारी कीमत चुका रहे हैं।

खेरसॉन पर फिर से यूक्रेन का नियंत्रण स्थापित होना रूसी आक्रमण के बाद करीब नौ महीनों में कीव की एक बड़ी सफलता है। इससे रूस को एक झटका लगा है। जेलेंस्की ने खेरसॉन का दौरा किया। इसके कुछ ही घंटे पहले उन्होंने रविवार रात अपने वीडियो संबोधन में चेतावनी दी थी कि शहर छोड़ कर जाने से पहले रूसी सैनिकों ने बारूदी सुरंगें बिछाई होगी।

जेलेंस्की ने कहा कि यह युद्ध समाप्ति की शुरूआत है। हम रूस द्वारा कब्जा किए गए सभी क्षेत्रों में कदम-दर-कदम आगे बढ़ रहे हैं।

शहर पर रूसी कब्जा समाप्त होने पर यहां खुशी का माहौल देखने को मिला। हालांकि, यहां के निवासी बिजली और पानी के बिना रह रहे हैं तथा खाद्य सामग्री और दवाइयों की भी कमी है। हालांकि खेरसॉन के व्यापक क्षेत्र के करीब 70 प्रतिशत हिस्से पर अब भी रूस का कब्जा है।

राष्ट्रपति के सहायक द्वारा जारी एक वीडियो में देखा सकता है कि जेलेंस्की दिल पर दायां हाथ रखे हुए हैं और राष्ट्रगान गा रहे हैं, जबकि सैनिकों ने उन्हें सलामी

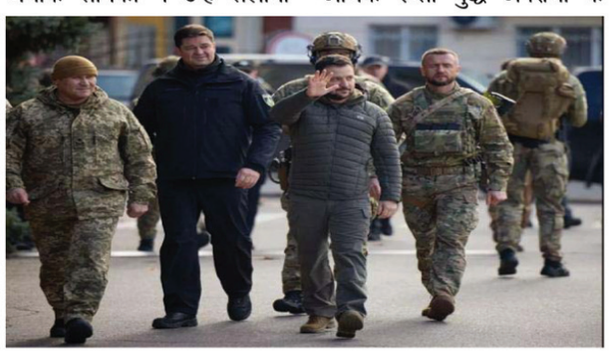

दी। जेलेंस्की ने यूक्रेनी सैनिकों को एक स्थान पर पदक भी प्रदान किया और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाई। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने खेरसॉन के जेलेंस्की के दौरे पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि आप जानते हैं कि यह क्षेत्र रूसी संघ का हिस्सा है।

रूस ने इस साल की शुरूत में खेरसॉन और तीन अन्य क्षेत्रों पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। रूसी सैनिकों की खेरसॉन से वापसी के बाद, यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा है कि वे प्रताडना और अन्य उत्पीडन के साक्ष्य पा रहे हैं। अपने वीडियो संबोधन में जेलेंस्की ने कहा था कि जांचकर्ताओं ने 400 से अधिक रूसी युद्ध अपराधों के साक्ष्य जुटाए हैं और नागरिकों तथा सैन्य कर्मियों के शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि खेरसॉन क्षेत्र में भी रूसी सेना ने उसी तरह का उत्पीडन किया है, जैसा कि उसने अन्य क्षेत्रों में किया था। उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक हत्यारे को न्याय के दायरे में लाएंगे।स्थानीय निवासियों ने कहा कि वापस जा रहे रूसी सैनिकों ने शहर में लूटपाट की। उन्होंने बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचाया।

गर्मजोशी से मिले जो बाइडेन और पीएम मोदी, भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाने पर दिया जोर

बाली (इंडोनेशिया)। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी इस समय 17वें G20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बाली गये हैं। भारत की उपस्थिति को चिह्नित करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 14 नवंबर को इंडोनेशियाई द्वीप बाली पहुंचे। सम्मेलन से सामने आये कुछ तस्वीरों मे आप देख सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पीएम मोदी के पास जाते है, अभिवादन करते हैं। शिखर सम्मेलन शुरू होने से पहले मुस्कुराते हुए दोंने देश के नेताओं के बीच मुलाकात हुई। पीएम मोदी को एक मिनट से अधिक समय तक बाइडेन से बात करते देखा जा सकता है। दोनों नेताओं ने जी 20 सत्र शुरू होने से पहले गर्मजोशी से गले लगाया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता जेड तरार ने प्रेस से बात करते हुए कहा, राष्ट्रपति बाइडेन और पीएम मोदी के बीच दोस्ती है जो स्पष्ट है। जी20 कॉन्क्लेव से पहले प्रधानमंत्री को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से हाथ मिलाते हुए देखा गया और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को मुस्कान के साथ बधाई दी। पीएम मोदी ने ट्विटर पर कहा कि उन्होंने संक्षिप्त चर्चा की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा आपूर्ति पर किसी तरह के प्रतिबंध को बढ़ावा नहीं देने की जरूरत को मंगलवार को रेखांकित किया और स्थिरता सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए एक बार फिर कूटनीति के जरिए यूक्रेन विवाद को सुलझाने पर जोर दिया। मोदी ने वार्षिक जी20 शिखर सम्मेलन के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन, कोविड-19 वैश्विक महामारी और

यूक्रेन संकट के कारण उत्पन्न वैश्विक चुनौतियों ने दुनिया में तबाही मचा दी है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला ''चरमरा'' गई है। प्रधानमंत्री ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के मद्देनजर रूसी तेल व गैस की खरीद के खिलाफ पश्चिमी देशों के आह्वान के बीच ऊर्जा आपूर्ति पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाने का आह्वान किया। खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा पर बुलाए सत्र में मोदी ने कहा, '' भारत की ऊर्जा-सुरक्षा वैश्विक विकास के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। हमें ऊर्जा की आपूर्ति पर किसी प्रतिबंध को बढ़ावा नहीं देना चाहिए और ऊर्जा बाजार में स्थिरता सुनिश्चित की जानी चाहिए।''

इस सत्र में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सहित कई विश्व नेताओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भारत स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण के लिए प्रतिबद्ध है।डोनेशिया के बाली में हो रहे शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा, '' 2023 तक हम अपनी जरूरत की आधी बिजली का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से करेंगे। समावेशी ऊर्जा परिवर्तन के लिए विकासशील देशों को समयबद्ध और किफायती वित्त व प्रौद्योगिकी की सतत आपूर्ति की जरूरत है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने चुनौतीपूर्ण वातावरण के बीच जी20 के नेतृत्व के लिए इंडोनेशिया की तारीफ की। मोदी ने कहा, '' जलवायु परिवर्तन, कोविड-19 वैश्विक महामारी तथा यूक्रेन संकट और उससे उत्पन्न वैश्विक चुनौतियां.. इन सभी ने मिलकर दुनिया में तबाही मचा रखी है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं चरमरा गई हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, '' पूरी दुनिया में आवश्यक सामान का संकट है। हर देश के गरीब नागरिकों के लिए चुनौतियां अधिक हैं। उनके लिए रोजमर्रा की जिंदगी पहले से ही एक संघर्ष थी।''

इंडोनेशिया में जी20 सम्मेलन में बोले विडोडो ने किया युद्ध समाप्त करने का आह्वान

बाली। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति जोको विडोडो ने मंगलवार को यहां शुरू हुए वार्षिक जी20 शिखर सम्मेलन के एक सत्र में वैश्विक नेताओं से संयुक्त राष्ट्र चार्टर का पालन करने और ''युद्ध'' को समाप्त करने का आह्वान किया। उनका इशारा रूस-यूक्रेन संघर्ष की ओर था। विडोडो ने कहा कि दुनिया के लोगों के प्रति सभी नेताओं की जिम्मेदारी बनती है। जिम्मेदार होने का मतलब संयुक्त राष्ट्र चार्टर का ''लगातार'' पालन करना है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार होने का मतलब युद्ध समाप्त करना है। उन्होंने अंग्रेजी में रूस या यूक्रेन का नाम नहीं लिया, हालांकि उनके संबोधन का कुछ हिस्सा इंडोनेशियाई 'बहासा' में था। विडोडो ने कहा अगर युद्ध समाप्त नहीं हुआ तो आगे बढ़ना मुश्किल होगा। दुनिया को एक और शीत युद्ध में नहीं फंसना चाहिए। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेता अगले दो दिन (15-16 नवंबर) के दौरान सम्मेलन में कोविड-19 वैश्विक महामारी और यूक्रेन पर रूस के हमले से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। शिखर सम्मेलन के आधिकारिक तौर पर शुरू होने से पहले इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने आयोजन स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया कि एक साथ उभरें, मजबूती से उभरें। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने जी20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा और स्वास्थ्य सहित समसामयिक वैश्विक चुनौतियों पर आज विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा।

अफगानिस्तान में अब सिर्फ इस्लामी कानून

काबुल। अफगानिस्तान में अब सिर्फ इस्लामी कानून चलेगा। अफगानिस्तान में तालिबान ने पूरी तरह से इस्लामी कानून लागू करने का आदेश जारी किया है। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों की स्थिति पर बढ़ती चिंता के बीच तालिबान के सर्वोच्च नेता मावलवी हेबतुल्ला अखुंदजादा ने जजों को इस्लामी कानून को पूरी तरह से लागू करने का आदेश दिया है।यह पहली बार है जब तालिबान नेता ने इस्लामिक समूह के सत्ता में आने के बाद से पूरे देश में इस्लामी कानून के सभी पहलुओं को पूरी तरह से लागू करने का औपचारिक आदेश जारी किया है।

तीसरी बार कोविड से संक्रमित हुए शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तीसरी बार कोविड-19 से संक्रमित हुए हैं, एक मंत्री ने इसकी पुष्टि की है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा कि प्रधानमंत्री दो दिनों से अस्वस्थ हैं और उन्होंने आज एक डॉक्टर की सिफारिश के बाद कोविड-19 जांच कराई। प्रधानमंत्री इस साल की शुरुआत में जनवरी में और 2020 के जून में भी कोविड-19 की जांच में पॉजिटिव पाए गए थे।

उन्होंने बीमारी के कारण लंदन से प्रस्थान करने में देरी की और पाकिस्तान लौट आए। सूत्रों ने दावा किया कि वह दो दिन और लंदन में रहे। एयरपोर्ट से निकलने से ठीक पहले उन्हें हल्का बुखार हुआ था और उनके परिवार ने उन्हें हवाई यात्रा न करने की सलाह दी थी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने अपने बड़े भाई नवाज शरीफ के साथ सेना प्रमुख की नियुक्ति और राष्ट्रीय महत्व के अन्य मुद्दों पर चर्चा की। इस मुद्दे पर अपने बड़े भाई के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करने के बाद 11 नवंबर को वो लंदन से देश के लिए रवाना हुए। मिस्र में सीओपी27 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद शहबाज पिछले हफ्ते लंदन पहुंचे थे।

ट्वीटर-फेसबुक में छंटनी के बाद अमेजन में 10,000 कर्मचारियों की नौकरी पर लटकी तलवार

वाशिंगटन। ट्वीटर-फेसबुक में व्यापाक पैमाने पर नौकरी में छंटनी के बाद अमेजन में 10 हजार कर्मचारियों की नौकरी पर तलवार लटक रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेजन इस सप्ताह के शुरू में ही कॉरपोरेट और टेक्नोलॉजी क्षेत्र में लगभग 10,000 लोगों की छंटनी करने की योजना बना रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, जिन विभागों में नौकरी में कटौती होगी। उनमें अमेजन का डिवाइस संगठन, उसका रिटेल डिवीजन और मानव संसाधन विभाग शामिल है। अमेजन में कर्मचारियों की छंटनी की कुल संख्या 10,000 के आसपास रहती है, तो यह अमेजन के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी छंटनी होगी।

बता दें कि अमेजन विश्व स्तर पर 1.6 मिलियन से अधिक को रोजगार देती है। ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने सीईओ पराग अग्रवाल समेत कई अधिकारियों को कंपनी से निकाल दिया। इसके अलावा फेसबुक से भी कर्मचारियों की छंटनी की गई थी। मेटा ने करीब 11,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। जिसके बाद जुकरबर्ग ने माफी मांगी थी।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

जी-20 में मोदी: सुनक से हुई पहली मुलाकात

-स्वागत करने मोदी के होटल पहुंचे इंडोनेशिया के राष्ट्रपति

-नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूट के साथ भी हुई बातचीत

-फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से भारतीय पीएम की चर्चा

बाली। इंडोनेशिया के बाली में जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे हैं। इस दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से उनकी पहली मुलाकात हुई।

दो दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन मंगलवार को शुरू हो गया। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और भारत के प्रधानमंत्री मोदी समेत दुनिया की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के नेता शामिल हो रहे हैं। इस दौरान मोदी और

सुनक के बीच पहली मुलाकात हुई। भारत के प्रधानमंत्री और भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री के बीच इस मुलाकात को लेकर दोनों देशों में खासी उत्कंठा थी। भारतीय प्रौद्योगिकी उद्यमी नारायणमूर्ति के दामाद ऋषि सुनक हाल ही में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने हैं। मोदी और सुनक के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। इस दौरान सुनक ने कहा कि दुनिया के विकास के लिए भारत जरूरी है। वहीं मोदी ने कहा कि भारत अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करता रहेगा।जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का जलवा साफ दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन खुद चल कर मोदी से मिलने उनके पास पहुंचे। दोनों नेताओं ने एक दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया। मोदी व बाइडन को काफी देर तक एक दूसरे से बात करते देखा गया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने मोदी के होटल जाकर उनका स्वागत किया। इंडोनेशिया इस समय जी-20 समूह का अध्यक्ष है और अब भारत के हाथ में अध्यक्षता की कमान आने वाली है। सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूट के साथ भी बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने इस बहुपक्षीय शिखर सम्मेलन को वैश्विक नेताओं के लिए विविध मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान करने का अद्भुत अवसर करार दिया। भारतीय प्रधानमंत्री ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से भी बातचीत की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। मैक्रों अगले वर्ष की शुरुआत में भारत यात्रा पर आ रहे हैं।

मिलकर निकालें युद्ध रोकने का रास्ता- प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान खाद्य ऊर्जा सुरक्षा सत्र में भाग लिया। इस सत्र में उन्होंने कहा कि कोरोना और यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है।

इसके परिणाम स्वरूप पूरी दुनिया परेशान है। संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाएं भी इन मसलों का समाधान करने में सफल नहीं हो पा रही हैं। ऐसे में हम सभी को मिलकर यूक्रेन युद्ध रोकने का रास्ता निकालना होगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्धविराम और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का रास्ता खोजना जरूरी है। पिछली शताब्दी में विश्व युद्ध के कहर के दौरान तत्कालीन नेताओं ने शांति का रास्ता अंगीकार करने का गंभीर प्रयास किया था। अब आज के नेताओं की बारी है।

बांग्लादेश ने अगले साल चुनौतियों से निपटने के लिए जारी किए निर्देश

ढाका। मौजूदा आर्थिक संकट के बीच बांग्लादेश कैबिनेट ने देश को अगले साल व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाली घरेलू और बाहरी चुनौतियों से निपटने के लिए निर्देश जारी किए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ कैबिनेट की बैठक के बाद, कैबिनेट सचिव खांडकर अनवारुल इस्लाम ने पत्रकारों से कहा कि निर्देशों में खाद्य आयात पर करों में छूट, घरेलू स्तर पर खाद्य उत्पादन में वृद्धि और अधिक कुशल जनशक्ति को विदेश भेजना शामिल है। बैठक ने संबंधित अधिकारियों को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के साथ-साथ प्रेषित धन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। अनवारुल इस्लाम ने कहा कि 2023 से पहले पर्याप्त खाद्य भंडारण बनाए रखना कैबिनेट की बैठक का दूसरा महत्वपूर्ण निर्देश थाअंतरराष्ट्रीय स्थिति की समीक्षा के बाद, अधिकारी के अनुसार, कैबिनेट ने कहा कि 2023 अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी, रूस-यूक्रेन

युद्ध और दुनिया के कुछ हिस्सों में खाद्य उत्पादन में मंदी के कारण एक महत्वपूर्ण वर्ष होने की संभावना है। बता दें, बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार 35 बिलियन डॉलर से नीचे गिर गया। यह उच्च आयात बिलों और बांग्लादेशी टका की कमजोरी के कारण हाल के महीनों में अमरीकी डॉलर की वृद्धि से प्रभावित था।

बांग्लादेश बैंक के प्रवक्ता अबुल कलाम आजाद ने कहा कि अगले साल फरवरी तक विदेशी मुद्राओं की मांग और आपूर्ति में संतुलन की स्थिति देखने को मिलेगी। एक दिन पहले, बैंक ने उस सोशल मीडिया पोस्ट को खारिज किया था, जिसमें तरलता संकट के कारण लोगों को बैंकों से अपनी जमा राशि निकालने के लिए उकसाया जा रहा था। बैंक ने दावा किया कि बैंकों में कोई तरलता संकट नहीं है और जमा राशि पूरी तरह से सुरक्षित हैं। अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के प्रयासों के बीच, जो पिछले सप्ताह 34.3 अरब डॉलर था, बांग्लादेश विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 2 अरब डॉलर की मांग कर रहा है। पिछले हफ्ते, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पुष्टि की, कि वह बांग्लादेश के साथ एक कर्मचारी-स्तर के समझौते पर पहुंच गया है, जो लोन सपोर्ट में बहुप्रतीक्षित 4.5 बिलियन डॉलर की रिहाई का मार्ग प्रशस्त करता है।

अवैध प्रवासियों की समस्या से निपटने को ब्रिटेन ने किया फ्रांस के साथ नया समझौता

लंदन। यूरोप में अवैध प्रवासियों के बढ़ती समस्या से निपटने के लिए ब्रिटेन और फ्रांस ने नया समझौता किया है। इस संबंध में ब्रिटेन की गृहमंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने फ्रांस के साथ नए समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसके तहत फ्रांस गश्त बढ़ाएगा ताकि उन अवैध प्रवासियों को रोका जा सके जो ब्रिटेन में प्रवेश करने के लिए खतरनाक छोटी नावों से इंग्लिश चैनल पार करते हैं।

भारतीय मूल की मंत्री ब्रेवरमैन नई व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए फ्रांस में हैं। सीमा पर गश्त में मदद के लिए फ्रांस को ब्रिटेन का वार्षिक भुगतान 2022-23 में बढकर 7.2 करोड़ यूरो हो जाएगा, जो 2021-22 में 6.27 करोड़ यूरो था।ब्रिटेन-फ्रांस के नए संयुक्त समझौते के तहत, डोवर में इंग्लिश तट पर जाने वाले लोगों को रोकने के लिए कैलाइस में फ्रांसीसी तट पर गश्त करने वाले अधिकारियों की संख्या 200 से बढ़ाकर 300 की जाएगी। ब्रेवरमैन ने कहा कि यह कोई आसान हल नहीं है, लेकिन इस नई व्यवस्था का मतलब यह होगा कि हम उत्तरी फ्रांस में समुद्र तटों पर गश्त करने वाले फ्रांसीसी अधिकारियों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि कर सकते हैं। साथ ही यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ब्रिटेन और फ्रांसीसी अधिकारी मानव तस्करों को रोकने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमें लोगों को ए खतरनाक यात्रा करने से रोकने और आपराधिक गिरोहों पर नकेल कसने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। यह एक वैश्विक चुनौती है जिसके लिए वैश्विक समाधान की आवश्यकता है। इस जटिल समस्या को हल करने के लिए मिलकर काम करना ब्रिटेन और फ्रांसीसी, दोनों सरकारों के हित में है।ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी इस मुद्दे को पूर्ण

प्राथमिकता के रूप में चिह्नित करते हुए कहा है कि उन्हें विश्वास है कि हम ऐसे मामलों को कम कर सकते हैं। समझौते की घोषणा लंदन में की गई और सुनक ने जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए इंडोनेशिया जाते समय संवाददाताओं से कहा कि मुझे लगता है कि अभी ब्रिटेन के लोगों की प्राथमिकता अवैध प्रवास को रोकना है। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, इस साल अब तक 40,000 से अधिक लोग छोटी नावों में सवार होकर सीमा पार कर चुके हैं, जो पिछले साल 28,526 और उससे साल पहले 8,404 थी।

जी-20 सम्मेलन से पहले मिले बाइडन और जिनपिंग, ताइवान पर की चर्चा

नुसा दुआ। इंडोनेशिया की राजधानी बाली में जी-20 सम्मेलन से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने मुलाकात के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बैठक में ताइवान के प्रति चीन की दमनात्मक और आक्रामक कार्वाइयों पर आपत्ति जताई। इसके साथ ही उन्होंने शिनजियांग, तिब्बत तथा हांगकांग में चीन द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर चिंताओं को उठाया।

व्हाइट हाउस ने लगभग तीन घंटे के सत्र पर एक बयान में कहा कि बाइडन ने शी से कहा कि अमेरिका चीन के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा लेकिन प्रतिस्पर्धा संघर्ष में नहीं बदलना चाहिए। विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों की प्रतिस्पर्धा के साथ बाइडन-शी के बीच बैठक का उद्देश्य मतभेदों को कम करना था। बाइडन ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें बैठक पर चर्चा की

गई।व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडन और शी इस बात पर भी सहमत हुए कि परमाणु युद्ध कभी नहीं लड़ा जाना चाहिए और न ही इसे जीता जा सकता है, तथा यूक्रेन में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल या खतरे के प्रति अपने विरोध को रेखांकित किया।बाइडन-शी की बातचीत में पिछले करीब नौ महीने से यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच रूसी अधिकारियों के परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर संदर्भ दिया गया। इससे पहले अमेरिका के प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद चीन की टिप्पणी के बाद अमेरिका से तल्खियां बढ़ गई थी

चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद जो बाइडन ने कहा कि शी और उन पर यह दिखाने की जिम्मेदारी है कि अमेरिका और चीन अपने मतभेदों पर काबू पा सकते हैं, सहयोग के क्षेत्रों का पता लगा सकते हैं।वहीं चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि वह बाइडन के साथ विचारों के आदान-प्रदान के लिए तैयार हैं, जिसका उद्देश्य अमेरिका-चीन संबंध को सुधारना है। बाइडन और जिनपिंग की मुलाकात करीब 11 साल के बाद हो रही है। आखिरी बार इन दोनों नेताओं में जब मुलाकात हुई थी, तब जो बाइडन अमेरिका के उपराष्ट्रपति थे।